नई दिल्ली। शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 226 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने घरेलू दर्शकों को दिया...
@ विचार बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए...
@ व्यापार सात दिन बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी...

टीचर की पिटाई से छह साल के मासूम की मौत

होमवर्क न करके लाने की मिली सजा

एजेंसी ■ अमरावती

विशाखापत्तनम से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक प्राइवेट स्कूल में छह साल के बच्चे की मौत हो गई है। परिवार का आरोप है कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने बच्चे को पीटा था।

जानकारी के मुताबिक, 'वन टाउन' इलाके में मौजूद प्राइवेट स्कूल 'लिटिल गार्डन स्कूल' में क्लासरूम के अंदर बच्चे की तबीयत खराब हो गई। बाद में उसे किंग जॉर्ज हॉस्पिटल (KGH) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बच्चे की पहचान प्रणय तेजा के तौर पर हुई है। परिवार का आरोप है कि टीचर ने प्रणय की डंडे से पिटाई की थी, जिसके बाद वह जमीन पर गिर पड़ा था। मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के सदस्य और रिश्तेदार अस्पताल में जमा हो गए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस और रेवेन्यू अधिकारी बच्चे की मौत के कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रणय की मौत की सही वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा।

परिवार ने टीचर पर लगाया आरोप

परिवार के मुताबिक, प्रणय गुरुवार सुबह घर से बिल्कुल ठीक-ठाक निकला था। उसके पिता ने बताया कि बच्चे ने खुद उस दिन स्कूल जाने की जिद की थी। प्रणय के पिता ने घटनाक्रम के बारे में बताते हुए कहा, 'सुबह करीब 8 बजे मेरा बेटा उठा और उसने कहा कि वह स्कूल जाना चाहता है। उसने स्कूल जाने की जिद की।' पिता ने कहा, 'हमने सोचा, 'ठीक है, परीक्षाएं जल्द ही होने वाली हैं, इसलिए उसे जाने देते हैं।' इसके बाद प्रणय स्कूल चला गया। पिता ने आगे बताया, 'स्कूल से किसी ने मुझे फोन नहीं किया। मेरे जीजाजी के घर के पास काम करने वाले स्थानीय रसोइयों ने फोन करके मुझे जानकारी दी।' जब बच्चे को किंग जॉर्ज हॉस्पिटल ले जाया गया, तो परिवार को बताया गया कि उसकी मौत हो चुकी थी। पिता ने बताया कि बाद में परिवार ने स्कूल के अंदर क्या हुआ था, इसकी जानकारी मांगी। प्रणय के पिता ने यह भी कहा, 'डॉक्टर ने परिवार को बताया था कि अस्पताल पहुंचने से आधे घंटे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।'

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का तिहाड़ जेल में निधन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। 1984 सिख विरोधी दंगा केस में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 14 दिसंबर 2018 को

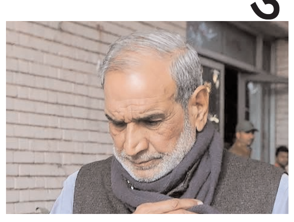

उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था।

सज्जन कुमार को 27 अप्रैल 2022 को दंगों से संबंधित एक केस में जमानत मिली थी लेकिन दूसरे मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण वे जेल में ही बंद रहे। वे सात वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद थे। इस वर्ष अप्रैल के महीने में उन्होंने अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मांगी थी लेकिन न्यायालय की ओर से उनको जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

महिला हॉकी विश्व कप : इंग्लिश टीम नहीं तोड़ सकी सविता पूनिया की 'दीवार'

गोलरहित ड्रॉ के साथ अगले दौर में पहुंचा भारत

एजेंसी ■ एमस्टवीन (नीदरलैंड्स)

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया पूल डी का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत की गोलकीपर सविता पूनिया इंग्लैंड के सामने 'दीवार' बनकर खड़ी रहीं। इस ड्रॉ के साथ ही भारतीय टीम ने अगले दौर में जगह बना ली है।

भारत के लिए मैच की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और टीम ने गोल करने के कई मौके गंवाए। इश्किा ने पहले क्वार्टर में इंग्लैंड के डिफेंस को भेदते हुए शानदार शॉट लगाया, लेकिन वह गोलकीपर को मात नहीं दे सकीं। पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत द्वारा लगाए गए शॉट को अमान्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद भारत को दो गोल करने के चांस मिले, लेकिन टीम इनका फायदा उठाने में नाकाम रही।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और इंग्लैंड के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे क्वार्टर के अंत में इंग्लैंड के पास गोल करने का एक शानदार मौका आया, लेकिन ज्योति ने इसे गोल में तब्दील नहीं होने दिया। तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड की टीम पूरी तरह से हावी नजर आई और टीम की ओर से एक के बाद एक अटैकिंग शॉट्स खेले गए। हालांकि, भारत की गोलकीपर सविता पूनिया गोल पोस्ट के सामने डटकर खड़ी रहीं और उन्होंने इंग्लैंड के अरमानों पर हर बार पानी फेरा। इंग्लैंड की टीम कई बार पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किए, लेकिन उन्हें गोल करने में सफलता नहीं मिल सकी। चौथे क्वार्टर की शुरुआत भारतीय टीम ने दमदार अंदाज में की, लेकिन जल्द ही इंग्लिश टीम भारत के डिफेंस पर हावी हो गई। इंग्लैंड को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, पर गोलकीपर सविता और भारत के मजबूत डिफेंस ने दोनों ही बार उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया। इस ड्रॉ के साथ ही भारत ने अगले दौर में जगह बना ली है, जबकि इंग्लैंड का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ी मैदान पर ही भावुक हो गईं।

सक्षिप्त खबर

झारखण्ड : सरकारी आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

रांची। झारखंड में जेपीएससी की भर्ती परीक्षाओं के जरिए की गई नियुक्तियों को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले पर झारखंड हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा और फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा से संबंधित नियुक्तियां रद्द करने के सरकार के आदेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। अदालत ने राज्य सरकार और झारखंड लोक सेवा आयोग से जवाब भी मांगा है। इस मामले में सफल और चयनित अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई हुई।

भारत-जापान में समुद्री सुरक्षा समझौता, रक्षा सहयोग मजबूत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

'वंदे मातरम' विवाद पर शाह का कांग्रेस पर हमला, कहा- 'विभाजन की भूल दोहरा रही'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी की 'अत्यधिक तुष्टीकरण' नीति की निंदा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति का 'वंदे मातरम' का केवल दो पद गाने का निर्णय विभाजन के बीज बोने वाली ऐतिहासिक भूल को दोहराने के समान है। उन्होंने कहा कि 19×7 में कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर 'वंदे मातरम' को दो भागों में बांट दिया और देश के विभाजन की नींव रखी। यहीं से दो राष्ट्र सिद्धांत को बल मिला, जिस कारण अंततः देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान का जन्म हुआ।

उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति के इस निर्णय की आलोचना करते हुए इसे 'राष्ट्र-विरोधी और संसद द्वारा निर्मित कानून का खुला उल्लंघन' बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 80 साल बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा 19×7 में लिए गए फैसले को सुधारा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जारी एक बयान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश की जनता अब इस सुधार का विरोध बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा कांग्रेस पार्टी के इस फैसले की निंदा करती है और जनता के सामने तथा सदनों में भी इसका विरोध करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी का फैसला उसकी तुष्टीकरण की नीति को ही पुष्ट करता है। यह बेहद आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर देश में तुष्टीकरण की राजनीति को जोर-शोर से आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे याद रखें कि देश ने एक बार 'वंदे मातरम' को दो भागों में बांटने की गलती की थी और देश को उस गलती के गंभीर परिणाम भुगतने पड़े थे। देशवासियों को अब एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी के इस फैसले के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि तुष्टीकरण की राजनीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जंतर-मंतर हिंसा की जांच करेगी सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी

पैलेट गन से महिला सुरक्षा तक होगी छानबीन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर और देश के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा तथा पुलिस और सुरक्षा बलों की कार्रवाई की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय हाई पावर एक्सपर्ट कमेटी (एचपीईसी) का गठन किया है। अदालत ने कहा कि कमेटी के सदस्यों के अनुभव, विशेषज्ञता और विविधता को ध्यान में रखते हुए इसका गठन किया गया है। कोर्ट को उम्मीद है कि कमेटी की रिपोर्ट आगे के फैसले में महत्वपूर्ण सहायता करेगी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी डॉ. एल.आर. बिश्नोई को सदस्य बनाया गया है। कमेटी यह जांच करेगी कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों ने जरूरत से ज्यादा या अनुचित बल का इस्तेमाल तो नहीं किया। इसमें पैलेट गन, बिजली के डंडे, लाठी और आंसू गैस के इस्तेमाल की परिस्थितियों की भी जांच होगी। यह देखा जाएगा कि इनका इस्तेमाल पर्याप्त चेतावनी दिए बिना या जरूरत से अधिक तो नहीं किया गया।

एंटोमोलॉजी की परीक्षा रद्द 5 सदस्यीय जांच समिति का गठन

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में एंटोमोलॉजी की परीक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन ने रद्द कर दी है। वहीं राज्य शासन के निर्देश पर परीक्षा में हुई गड़बड़ी के लिए 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि परीक्षा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि सेमेस्टर एग्जाम से पहले पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने का मामला सामने आया था। विश्वविद्यालय में परीक्षा सुबह 10 बजे से होनी थी, लेकिन छात्रों के मुताबिक करीब सुबह 8 बजे ही पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। मामले की जानकारी सामने आने के बाद छात्रों में नाराजगी है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज एंटोमोलॉजी का सेमेस्टर एग्जाम आयोजित किया जाना था। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे निर्धारित था।

छात्रों का दावा है कि परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले ही एंटोमोलॉजी का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पेपर वायरल होने की जानकारी सामने आने के बाद छात्रों ने इसका विरोध किया और विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराई। हालांकि, वायरल पेपर वास्तव में परीक्षा का मूल प्रश्नपत्र है या नहीं और यह सोशल मीडिया तक कैसे पहुंचा, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पेपर वायरल होने की जानकारी के बाद छात्रों ने विरोध जताया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तीर तेवर — सागर कुमार

रूस के हमले से यूक्रेन में तबाही,

कीव समेत कई इलाकों में रूसी हमलों से भारी नुकसान, दर्जनों लोग घायल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रूस ने एक बार फिर बड़ा हमला करते हुए यूक्रेन में भारी तबाही मचाई। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि हमले में कीव समेत कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है और अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''रात भर से आपातकालीन राहत और बचाव दल रूसी हमलों से प्रभावित इलाकों में काम कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा हमला था। रूस लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहा था और उसने बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे अलग-अलग हथियारों का एक साथ इस्तेमाल किया, ताकि नागरिक बुनियादी ढांचे को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। कीव और उसके आसपास के इलाके, साथ ही ओडेसा और चेर्निहीव क्षेत्रों में काफी नुकसान हुआ है।''

जेलेंस्की ने बताया कि राजधानी कीव में कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें एक ऊंची इमारत भी शामिल हैं, जिसकी ऊपरी मंजिलें पूरी तरह तबाह हो गईं। इसके अलावा एक बच्चों का अस्पताल और एक स्कूल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। राहत और बचाव अभियान अभी भी जारी है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस रूसी हमले में कीव में 12 लोगों की मौत हो गई है, जबकि आसपास के क्षेत्र में एक व्यक्ति की जान गई है। पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। करीब 40 अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ओडेसा क्षेत्र में दुश्मन ने मोल्दोवा की सीमा पर स्थित एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर ड्रोन हमला किया, जबकि चेर्निहीव क्षेत्र में गैस से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

राष्ट्रपती जेलेंस्की ने कहा, मैं उन सभी बचावकर्मियों, डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और बिजली-पानी जैसी सेवाएं बहाल करने वाले कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पहले ही पल से लोगों की मदद की।

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर चुने गए बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर गुरुवार को बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति चुने गए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन समर्थित उम्मीदवार ओली अहमद को हराया। फखरुल को 255 वोट मिले, जबकि अहमद को 88 वोट प्राप्त हुए। गुरुवार दोपहर राष्ट्रीय संसद में हुए राष्ट्रपति चुनाव में कुल 343 वैध मत डाले गए। यह चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और रिटर्निंग अधिकारी एएमएम नासिर उद्दीन की निगरानी में आयोजित किया गया। चीफ व्हिप के अनुसार, नए राष्ट्रपति 21 अगस्त को बंगभवन में पद की शपथ लेंगे। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी की रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजों की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, 'मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को सबसे अधिक वोट मिले हैं, इसलिए वे विधिवत रूप से राष्ट्रपति चुने गए हैं।'

वंदे मातरम विवाद: कर्नाटक कांग्रेस ने फैसले का समर्थन किया, भाजपा ने पार्टी को घेरा

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा के बीच 'वंदे मातरम' के सिर्फ शुरुआती दो पद गाने के कांग्रेस वर्किंग कमिटी के फैसले को लेकर टकराव हो गया है। जहां कांग्रेस नेताओं ने इस फैसले का स्वागत किया है, वहीं भाजपा ने पार्टी पर देश की संस्कृति और राष्ट्रीय आंदोलन का अनादर करने का आरोप लगाया है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस कमेटी के फैसले का स्वागत किया और कहा कि कांग्रेस 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही पैरा गाएगी। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेता खुद को देशभक्त मानते हैं तो उन्हें संघ की शाखाओं में राष्ट्रगान गाना चाहिए।

हरिप्रसाद ने कहा कि वे चाहे जो भी करें, हम 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही पैरा गाएंगे। वे हमें जेल भेज दें या फांसी दे दें, हम तैयार हैं। हम भाजपा की तरह डरपोक नहीं हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि जब 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 'वंदे मातरम' लिखा था तो उसमें मूल रूप से दो ही पद थे। उन्होंने कहा कि भाजपा इस गाने का राजनीतिकरण कर रही है और कांग्रेस के रुख में तुष्टीकरण का कोई सवाल ही नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेता इतने ही देशभक्त हैं तो वे संघ की शाखाएं चलाएं और वहां राष्ट्रगान गाएं।

हरिप्रसाद ने भाजपा नेताओं द्वारा अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत की तारीफ करने पर भी तंज कसा। उन्होंने सवाल किया कि अगर संसद में कंगना के किसी गाने को राष्ट्रगान बताया जाए तो क्या वे उसे स्वीकार करेंगे।

कांग्रेस के रुख पर कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कमेटी का फैसला दिखाता है कि कांग्रेस और देशभक्ति के बीच कोई संबंध नहीं है।

बेलाड ने दावा किया कि कांग्रेस ने इस देश की संस्कृति का सम्मान नहीं किया है। कांग्रेस पार्टी और देशभक्ति के बीच कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई के दौरान 'वंदे मातरम' युवाओं और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और कांग्रेस पर अपनी ही विरासत की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

बेलाड ने आरोप लगाया कि अगर सोनिया गांधी, कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस वर्किंग कमेटी पूरा वंदे मातरम गाने को तैयार नहीं हैं तो इससे पता चलता है कि उन्हें भारत और उसकी संस्कृति की कोई परवाह नहीं है।

चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा

विश्व केसरी ■

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अपने राज्य, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा।

नायडू ने अमरावती, बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाले परिवहन नेटवर्क की मांग करते हुए बुलेट ट्रेन को कुप्पम (उनका निर्वाचन क्षेत्र) से गुजारने का सुझाव दिया।

महाबलीपुरम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में बोलते हुए उन्होंने दक्षिणी राज्यों में एक साझा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और ड्राई पोर्ट स्थापित करने का सुझाव दिया।

उन्होंने दक्षिणी बिजली ग्रिड को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, चंद्रबाबू नायडू ने दक्षिणी राज्यों के विश्वविद्यालयों और कौशल विकास संस्थानों के एक संयुक्त संघ का प्रस्ताव रखा। उन्होंने आपदाओं के दौरान अंतर-राज्यीय सहयोग के लिए एक पारस्परिक सहायता बल स्थापित करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने गोदावरी-कावेरी नदी-जोड़ परियोजना के माध्यम से 500 टीएमसी से अधिक पानी के डायवर्जन का भी प्रस्ताव रखा।

उन्होंने कहा कि गोदावरी-कावेरी जोड़ तमिलनाडु की जल समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है और उन्होंने नदी जल संबंधी मुद्दों पर आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु से समन्वित प्रयासों का आह्वान किया।

कर्नाटक में 1,250 सरकारी स्कूलों में 1,582 शौचालय बनाए जाएंगे: मंत्री मधु बंगारप्पा

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने गुरुवार को विधानसभा को सूचित किया कि कर्नाटक सरकार ने राज्य क्षेत्र योजना के तहत 2025-26 के दौरान राज्य भर के 1,250 सरकारी स्कूलों में 1,582 शौचालय बनाने का निर्णय लिया है।

मंत्री प्रश्नकाल के दौरान हीरेकेरुड़ कांग्रेस विधायक यूबी बानाकर द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

बंगरप्पा ने कहा कि 2025-26 के लिए समग्र शिक्षा कर्नाटक योजना के तहत 136 शौचालयों को भी मंजूरी दी गई है।

आवंटित धनराशि का विवरण देते हुए मंत्री ने कहा कि शौचालयों के निर्माण के लिए राज्य क्षेत्र योजना के तहत 5.04 करोड़ रुपए और कक्षाओं के निर्माण के लिए 23.17 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा कर्नाटक योजना के तहत 2025-26 के दौरान शौचालयों के निर्माण के लिए 544 लाख रुपए जारी किए गए थे।

मंत्री ने आगे कहा कि पीएम श्री योजना के तहत 2025-26 के दौरान 216 कक्षाओं के निर्माण के लिए 48.55 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। बंगारप्पा ने कहा कि शौचालय निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करते समय शुरू में अधिक छात्रों वाले विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई थी। परिणामस्वरूप, हीरेकेरुड़ विधानसभा क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में शौचालयों के निर्माण के लिए शुरू में कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई थी। हालांकि, सरकार अब शेष धनराशि का उपयोग इस क्षेत्र के नौ सरकारी विद्यालयों में शौचालय निर्माण के लिए करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इस प्रस्ताव में दो स्कूलों में दो लड़कों के शौचालय और सात स्कूलों में 13 लड़कियों के शौचालयों का निर्माण शामिल है। प्रत्येक शौचालय की अनुमानित लागत 2 लाख रुपए है, जिससे प्रस्तावित कार्यों की कुल अनुमानित लागत 30 लाख रुपए हो जाती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं 34631..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34631

वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222B00051** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MR. SAVITA SHAH** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. कु. पूर्णिमा शाह 2. श्री मनोज कुमार शाह पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री शशिकांत शाह ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सत्यापन, रजिस्ट्री / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं 34636..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34636

वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222A0126B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KABIZ: PADUM-NARAYAN** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री रविशंकर साहू पिता/पति श्री श्रीमती स्व. देव प्रसाद साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं 34633..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34633

वार्ड का नाम 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR235D00409** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VEERBHAN, MAHESH DULHANI** पिता / पति श्री श्रीमती **LATE KESHASV LAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती **वंदना आहूजा** पिता / पति श्री श्रीमती श्री **विनोद आहूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं 34634..../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34634

वार्ड का नाम 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225C00057** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MOHAN YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती **GANESH RAM YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री नारायण यादव पिता/पति श्री श्रीमती श्री गणेश राम यादव ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमति पत्र, पट्टा वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं 34635..../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34635

वार्ड का नाम 14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR221A0460A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ALKA JAISWAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **JAWAHAR LAL JAISWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती सीमा बेन राठौड़ पिता/पति श्री श्रीमती श्री दिलीप भाई राठौड़ ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..34652..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34652

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663000015** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DWARKA PRASAD YADAV** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE DHANAU RAM YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SANTOSH KUMAR YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती 8/0 **DWARKA PRASAD YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । **SAHMATI PATRA OR BATWARA NAMA OR PANCHNAMA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34650..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34650

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR66300015A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DWARKA PRASAD YADAV** पिता / पति श्री श्रीमती **LATE DHANAU RAM YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ISHWAR YADAV** पिता / पति श्री/ श्रीमती **S/O DWARKA PRASAD YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. **SAHMATI PATRA OR SHAP-ATH PATRA OR PANCHNA-MA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34562.... / न. पा. नि. / जोन क्रं - 1/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34562

वार्ड का नाम 5-बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105C00236** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Ramadhar** पिता/पति श्री/श्रीमती **Sukhdev Goswami** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **AYUSH GOSWAMI** पिता / पति श्री/श्रीमती **SUBODH GOSWAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34561..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34561

वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105C00235** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAMADHAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **SUKHDEV GOSWA-MI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **AYUSH GOSWAMI** पिता / पति श्री/श्रीमती **SUBODH GOSWAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
: : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34553..../ न. पा. नि. जोन क्रं- 1/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34553

वार्ड का नाम 3- संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR104K0136A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. **KAMAL GUPTA** 2. **RAHUL GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **CHANDRA-MANI GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **DEVENDRA KUMAR BISEN** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. K.L.BISEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की थारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34550.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 19-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34550

वार्ड का नाम -29 - गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR334A00005** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MR. CHITRANJAN RAI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **SMT. ANJU RAY** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O LT. RAN-JIT RAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान , पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /..34251..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34251

वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108A00742** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **ATUL KUMAR DAS** पिता/पति श्री श्रीमती **S.N. DAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती/ श्री **NEERAJ SAHU** पिता /पति श्रीमती/ श्री **NEPAL RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /..34250..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34250

वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104J0089B** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MOTIM SAH** पिता/पति श्री श्रीमती **KESHAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **SMT ANJANA RANA** पिता /पति श्री श्रीमती **SHRI JITENDRA KUMAR RANA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /..34582..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34582

वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227000024** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAMALUDDIN QURESI** पिता/पति श्री/ श्रीमती/ **JIYAUDDIN QURESHI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती कमरून निशा पिता/पति श्री / अब्दुल हफीज ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /..34538..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34538

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227100153** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMANT UPAD-HYAY** पिता/पति श्री श्रीमती **YOTISH CHAND UPADHYAY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री जितेन्द्र चंद्राकर पिता/पति श्री नन्दकुमार चंद्राकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /..34536..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 19-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34536

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227100154** जो की निगम अभिलेख / श्रीमती **/** श्री **ARUN KUMAR KHETAN** पिता/पति श्री **GANESH PRASAD KHETAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सीमा अग्रवाल पिता/पति श्रीमती/ श्री दीपक अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-: : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....34436.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 18-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34436

वार्ड का नाम 9- पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227V00832** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ARUN KUMAR SHUKLA** पिता/पति श्री **B. L. SHUKLA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री शैलेश कुमार मिश्रा पिता / पति / पित्ता श्री रामनारायण मिश्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34551.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 19-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34551

वार्ड का नाम -29 - गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR334A00005** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MR. CHITRANJAN RAI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **SRI RAVI KUMAR RAY** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LT. CHITRANJAN RAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, नगरी जिला धमतरी

// उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र. 202604130100020/अ-74/वर्ष 2025-26 ग्राम नगरी प.ह.नं. 31, तहसील नगरी, जिला धमतरी
कमांक/1050/वा0 / तह0 / 2026
नगरी, दिनांक 11/08/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम नागरिकों को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि आवेदक जिला पंजीयक धमतरी छ0ग0 के द्वारा पत्र कमांक 100/जि.पं./2026, दिनांक 03/08/2026 के माध्यम से ग्राम नगरी प.ह.नं. 23 तहसील नगरी जिला धमतरी स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 61/1 रकबा 4.11 हे. का भाग रकबा 0.05 हे. को नवीन कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटित भूमि का अग्रिम आधिपत्य की मांग की गई है। जिसपर कलेक्टर महोदय जिला धमतरी द्वारा अपने आदेश पत्र दिनांक 04/08/2026 अनुसार उक्त भूमि को राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड-चार कमांक 01 में निहित प्रावधान के तहत् नवीन उप पंजीयक कार्यालय भवन निर्माण हेतु जिला पंजीयक धमतरी (छ.ग.) को अग्रिम आधिपत्य प्रदान किया गया है तथा आबंटन कार्यवाही के लिए जांच प्रतिवदन हेतु प्रकरण मूलत: इस न्यायालय को प्रेषित किया गया है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को दावा या आपत्ति

प्रस्तुत करना हो तो, वे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से नियत सुनवाई दिनांक 27/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत सुनवाई तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/08/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद-मुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार
नगरी

उपराष्ट्रपति ने युवा आईएएस अधिकारियों से लोक सेवा में सत्यनिष्ठा बनाए रखने का आह्वान किया

विश्व केसरी

देहरादून। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को युवा आईएएस अधिकारियों से कहा कि नेतृत्व का माप शक्ति से नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में नैतिक रूप से कार्य करने की क्षमता से होता है।

उपराष्ट्रपति मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 2024 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से जीवन परिवर्तन करके अपनी सेवा को सार्थक बनाने का भी आह्वान किया।

'विकसित भारत' की यात्रा का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि विकास अंतिम छोर तक पहुंचे, हर शिकायत सुनी जाए और हर नागरिक सशक्त हो।

उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से दक्षता, पारदर्शिता और नागरिक सेवा वितरण में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई),

प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन सहित उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने निरंतर सीखने, अनुकूलनशीलता और भविष्य के लिए तैयार रहने पर जोर दिया और युवा अधिकारियों से व्यक्तिगत या समूह उत्कृष्टता के बजाय टीम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

उन्होंने एकजुट टीमें बनाने, सहकर्मियों को प्रेरित करने और अपने पूर्ववर्तियों द्वारा स्थापित अच्छी प्रथाओं को आगे बढ़ाने के महत्व पर बल दिया।

प्रशिक्षणार्थियों को उनके प्रशिक्षण के सफल समापन पर बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवाओं ने देश के विकास में अपार योगदान दिया है और जमीनी स्तर पर नीति और उसके कार्यान्वयन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनी हुई हैं।

अकादमी के अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, उत्तराखंड के कृषि एवं किसान कल्याण एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, एलबीएसएनएए के निदेशक बी. राजेंद्र, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे के समापन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे। बुधवार को, अपने राजकीय दौरे के पहले दिन उपराष्ट्रपति ने देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) का दौरा किया, जहां उन्होंने 2025-27 बैच के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के प्रशिक्षुओं से बातचीत की।

ड्रोन कार्रवाई को लेकर रूस पर भड़के रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन, बताई- 'गैर-जिम्मेदाराना हरकत'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने गुरुवार को 'नेपच्यून डीप' प्लेटफॉर्म के पास ड्रोन कार्रवाई पर रूस की कड़ी आलोचना की। साथ ही स्पष्ट किया कि हम हर चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। हम नाटो सहयोगियों के साथ मिलकर सतर्क हैं।

निकुसोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में रोमानियाई सशस्त्र बलों और दो रोमानियाई एफ-16 लड़ाकू विमानों के पायलटों को काला सागर में 'नेपच्यून डीप' प्लेटफॉर्म के पास मौजूद समुद्री ड्रोन को नष्ट करने के सफल मिशन के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा, 'मैं कोस्ट गार्ड को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने इलाके में ड्रोन की मौजूदगी की सूचना तुरंत दी। इस कार्रवाई में सबसे पहली प्राथमिकता प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे लोगों की जान की सुरक्षा करना और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को किसी भी संभावित खतरे से बचाना था।''

उन्होंने कहा, 'मैं रूसी संघ की ओर से इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना घटनाओं में बढ़ोतरी की कड़ी निंदा करता हूं। हम अपने नाटो सहयोगियों के साथ मिलकर सतर्क बने हुए हैं, ताकि अपनी सुरक्षा कर सकें और इस तरह की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। वहीं, यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस कार्रवाई को 'हाइब्रिड युद्ध' का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि उभरते खतरों से निपटने के लिए यूरोप को रक्षा क्षमताएं मजबूत करने की जरूरत है।

प्रेसिडेंट उर्सुला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'गुरुवार को रोमानिया ने काला सागर में अपने 'नेपच्यून डीप' प्लेटफॉर्म के पास विस्फोटकों से लदे एक नौसैनिक ड्रोन को नष्ट कर दिया। धमकियों का अभियान चल रहा है, जो हमारे नागरिकों के बीच चिंता पैदा कर रहा है और हमारे संघ (यूरोपीय यूनियन) को बांटने की कोशिश कर रहा है। यह एक तरह का हाइब्रिड युद्ध है।

विमानवाहक पोत जॉर्ज वाशिंगटन मध्य पूर्व में तैनात, यूएसएस लिंकन को लेकर मचा था बवाल

विश्व केसरी

वाशिंगटन। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने मध्य पूर्व में विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन की तैनाती का ऐलान कर दिया है। हाल ही में यूएसएस लिंकन पर यूएस नौसेना कर्मियों की लंबे समय से तैनाती को लेकर कई सवाल उठाए गए थे।

गुरुवार को सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, 'जॉर्ज वॉशिंगटन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप सेंटकॉम क्षेत्र में पहुंचने के बाद, तय तैनाती के तहत मिडिल ईस्ट में काम कर रहा है।'

यूएसएस अब्राहम लिंकन करीब 5,000 सैन्यकर्मियों के साथ 260 से ज्यादा दिनों से समुद्र में रहा था। यूएसएस अब्राहम लिंकन को लेकर विवाद तब गहराया जब जहाज पर तैनात कुछ नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताजनक रिपोर्ट सामने आईं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि कुछ नाविकों ने समुद्र में छलांग लगाने की कोशिश की थी।

अमेरिकी सांसदों और सैन्य परिवारों ने जहाज पर लंबे समय तक लगातार तैनाती के असर की जांच की मांग की थी। हालांकि, अमेरिकी नौसेना ने आत्महत्या की प्रवृत्ति में किसी वृद्धि की पुष्टि नहीं की। रक्षा विभाग ने भी जहाज की स्थिति को लेकर सामने आई कुछ रिपोर्टों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने की बात कही थी।

हाल ही में सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने लंबी चिट्ठी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ को लिखी थी। उन्होंने यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) में तैनात नौसैनिकों की खराब परिस्थितियों, आपूर्ति की कमी, प्लंबिंग समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर रक्षा अधिकारियों से जवाब मांगा था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तीन पन्नों की चिट्ठी साझा करते हुए पूछा था कि 'विभाग बताए कि सैनिकों को लेकर वो क्या कर रहा है?' उन्होंने विमानवाहक पोत के 250 दिनों से अधिक समय से समुद्र में रहने का जिक्र किया था।

नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पोत की समुद्र में तैनाती छह महीने से ज्यादा नहीं रहती और ये वियतनाम युद्ध के बाद सबसे लंबी तैनाती रही। सीनेटर ने तैनाती, तैयारी और सेहत को लेकर कुल 6 सवाल पूछे थे। जिसमें युद्ध पोत के रुकने की अवधि, नौसैनिकों के लिए इंतजामात, आगामी ऑपरेशन्स को लेकर नेवी की तैयारी, विभाग की स्ट्रेटजी संबंधी जवाब मांगे गए थे।

वहीं, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इसे लेकर सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा कि जहाज की तैनाती उनके हिसाब से 'काफी लंबी नहीं है और उनके हिसाब से पर्याप्त भी नहीं है।

बंगाल के चम्पाहाटी में एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में पांच लोग घायल

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के चम्पाहाटी में गुरुवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में पांच लोग घायल हो गए।

उनमें से दो की हालत गंभीर है और उनकी पहचान पद्मरानी नस्कर (52) और अब्बास गाजी के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को पहले बारुईपुर अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन बाद में उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चम्पाहाटी में एक घर में जोरदार धमाका हुआ, जहां पटाखे बनाए जा रहे थे।

आवाज सुनकर इलाके के निवासी तुरंत मौके पर पहुंच गए।

विस्फोट में घर के अंदर मौजूद पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर फैलते ही स्थानीय निवासियों की भीड़ घटनास्थल पर जमा होने लगी। घायलों में पद्मरानी नस्कर नाम की एक महिला का नाम भी सामने आया। विस्फोट के बाद उन्हें तुरंत बचा लिया गया और अस्पताल भेज दिया गया।

इसी बीच, विस्फोट के संबंध में अवैध रूप से पटाखे बनाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने दावा किया कि बापी नास्कर ने मछली के व्यवसाय की आड़ में इलाके से कुछ दूरी पर जंगल में एक घर बनाया था।

आरोप है कि उस घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। शुरू में यह माना जा रहा था कि पटाखे बनाते समय विस्फोट हुआ होगा।

विस्फोट के वास्तविक कारण के बारे में अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है।

पुलिस इन सभी मुद्दों की जांच कर रही है, ताकि पता चल सके कि उस घर में किस तरह की सामग्री रखी गई थी, क्या वहां पटाखे बनाए जाते थे या नहीं और क्या पटाखे बनाने के लिए कोई विस्फोटक या ज्वलनशील पदार्थ रखे गए थे।

स्थानीय लोगों की शिकायतों के आधार पर अवैध रूप से पटाखे बनाने की संभावना की भी जांच की जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही बारुईपुर पुलिस जिले की भारी पुलिस टुकड़ी तुरंत मौके पर पहुंची।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आतिश विस्वास के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटनास्थल पर मौजूद विभिन्न वस्तुओं और घर की स्थिति की भी जांच की जा रही है। विस्फोट की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को भी सूचित कर दिया गया।

पंजाब विधानसभा चुनाव में साथ आ सकते हैं अकाली और भाजपा, हरसिमरत कौर बादल ने दिए संकेत

विश्व केसरी

संगरूर। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बीच एक बार फिर गठबंधन की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। शिअद नेता और बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल के बयान के बाद दोनों दलों के फिर से साथ आने की अटकलों को बल मिला है।

संगरूर में शिरोमणि अकाली दल के पूर्व अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल की बरसी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हरसिमरत कौर बादल ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पंजाब के विकास और केंद्र सरकार के सहयोग को लेकर बात की।

उन्होंने कहा कि आपने स्किल्ड यूनिवर्सिटी की मांग रखी है। यह तो छोटे-छोटे काम हैं। गुरु साहिब की मेहरबानी हो और अगर पहले की तरह ऐसे समझौते बनें, जिनसे दिल्ली से विकास के काम पंजाब तक पहुंचें तो प्रदेश में बड़े विकास कार्यों की नींव रखी जाएगी।

हालांकि, हरसिमरत कौर बादल ने भाजपा और शिअद के बीच संभावित गठबंधन को लेकर सीधे तौर पर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की।

उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से बोलने से परहेज करते हुए कहा कि इस बारे में घोषणा करना उनका काम नहीं है और समय आने पर सब कुछ लोगों के सामने आ जाएगा।

उनके इस बयान को भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित राजनीतिक समझौते के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब में शांति और आपसी भाईचारे के लिए काम करने की कोशिश की है तो हमें कमजोर करने के लिए कई छोटे-छोटे गुटों को पनपने दिया गया है। ऐसा उन 'बाहरी लोगों' ने किया है जिन्हें पंजाब से कोई लगाव या हमदर्दी नहीं है। वे तो बस हमें लूटना और हम पर राज करना चाहते हैं।

हाल ही में शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई थीं। इसके बाद अकाली दल ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने की मांग का समर्थन किया। साथ ही, केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव के समर्थन की भी बात सामने आई, जिसमें लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया गया है।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बाबूलाल मरांडी बोले- छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए परीक्षा रद्द करने का रचा गया ढोंग

विश्व केसरी

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के जरिए नियुक्त अफसरों और फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की नियुक्ति रद्द करने के सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक के बाद हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा जुबानी हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए राजनीतिक साजिश के तहत परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला लिया था। मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि उन्होंने दो दिन पहले ही आशंका जताई थी कि सरकार का फैसला अदालत में टिक नहीं पाएगा और हाईकोर्ट से इस पर रोक लग सकती है। उन्होंने कहा कि छात्रों के प्रति सरकार की नीयत शुरू से ही ठीक नहीं रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं तथा नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया। मरांडी ने कहा कि उन्होंने उसी समय कहा था कि इस तरह का निर्णय न्यायिक समीक्षा में टिकना मुश्किल है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कथित राजनीतिक साजिश के तहत छात्र आंदोलन को समाप्त कराने के लिए परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया।

किसान संगठनों में अहंकार और नेतृत्व की लड़ाई से आंदोलन कमजोर: सुखजीत सिंह

विश्व केसरी

बटाला। किसान नेता सुखजीत सिंह ने किसान संगठनों के बीच जारी विवादों और वरिष्ठ किसान नेताओं की कार्यशैली को लेकर तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कुछ वरिष्ठ किसान नेताओं पर निजी हितों को प्राथमिकता देने, आपसी विवादों को लंबा खींचने और किसान आंदोलनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सुखजीत सिंह ने कहा कि किसान संगठनों में नेतृत्व को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अहंकार का सबसे बड़ा नुकसान किसानों, मजदूरों और किसान आंदोलन की एकता को हो रहा है।

सुखजीत सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि किसान संगठनों के बीच मौजूदा विवाद कोई नया नहीं है। इसी तरह के विवाद पिछले दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान भी सामने आए थे। उस आंदोलन के दौरान कुछ नेताओं से गलतियां हुईं और आंदोलन लंबे समय तक चला, लेकिन उसकी सफलता का सबसे बड़ा कारण यह था कि उसमें पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी थी। जनता की मजबूत भागीदारी के कारण गलत फैसले लेने वाले नेताओं पर भी दबाव बना और सरकार पर आंदोलन का दबाव बढ़ा। उन्होंने कहा कि दिल्ली आंदोलन में जिस उद्देश्य से किसान गए थे, यानी तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाना, उसमें सफलता मिली और सरकार को तीनों कानून वापस लेने पड़े, लेकिन आंदोलन के दौरान जिन नेताओं से गलतियां हुईं, उन्होंने उनसे सबक नहीं लिया और आगे भी वही गलतियां दोहराई जाती रहीं। सुखजीत सिंह ने किसान संगठनों के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान को बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों में लगभग हर नेता यह चाहता है कि वह सबसे बड़ा नेता बने और पूरे देश का नेतृत्व उसके हाथ में हो।

तमिलनाडु: केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को महाबलीपुरम, तमिलनाडु में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण भारत का यह क्षेत्र देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि चाहे साहित्य हो, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), औद्योगिक विकास हो या फिर कृषि, हर सेक्टर में दक्षिण भारत ने हमेशा अपना योगदान दिया है। दक्षिण भारत ने देश के आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के सभी क्षेत्रों में बहुत बड़ी भूमिका अदा की है और इसीलिए दक्षिण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बहुत बड़ी मात्रा में पहुंचा है।

अमित शाह ने कहा कि दक्षिण भारत की पूरी विकास यात्रा तीन स्तंभों पर हुई है। उच्च साक्षरता दर, ट्रेंड मैन पावर और गहरे समुद्र के उपयोग की तकनीकी विशेषज्ञता। इन तीनों स्तंभों ने दक्षिण भारत को देश के विकास में सबसे बड़ा कंट्रीब्यूटर बनाया है। दक्षिण भारत और यहां की सरकारों ने भी इनोवेशन और रेवेन्यू जनरेशन के क्षेत्र में कई उत्कृष्ट परंपराओं को स्थापित करने का भी काम किया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों क्षेत्रों में पूरे देश को दक्षिण भारत से सीख लेनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कहा है कि पिछले सात दशकों में जो नहीं हुआ है वो हमें अगले पांच-सात साल में करना है, तभी हम दुनिया की स्पर्धा में अपना मुकाम प्राप्त कर पाएंगे। इतना विकास करने के लिए हर राज्य को इसमें योगदान देना होगा।

संपादकीय

विकासशील देशों में एआई सदस्यता शुल्क कम होने चाहिए

डॉ. शैलेश शुक्ला

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज केवल एक नई तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, शोध, व्यापार, पत्रकारिता, स्वास्थ्य, प्रशासन और संचार को बदलने वाली महत्वपूर्ण तकनीक बनती जा रही है। जिस प्रकार इंटरनेट ने सूचना तक पहुँच को व्यापक बनाया, उसी प्रकार एआई आने वाले वर्षों में ज्ञान, कौशल और उत्पादकता तक पहुँच का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर प्रश्न भी सामने है कि क्या दुनिया के सभी देशों और सभी आय-वर्गों के लोगों को एआई का समान लाभ मिल सकेगा? यदि एआई की सदस्यता शुल्क ऐसी दरों पर तय होती है जो मुख्यतः अमेरिका और यूरोप जैसे उच्च आय वाले बाजारों की भुगतान क्षमता को ध्यान में रखती हैं, तो विकासशील देशों के करोड़ों लोगों के लिए वही कीमत बहुत महंगी साबित हो सकती है। मुद्रा के स्तर पर समान कीमत का अर्थ आर्थिक रूप से समान बोझ नहीं होता। किसी विकसित देश में बीस डॉलर की मासिक सदस्यता किसी व्यक्ति की आय का बहुत छोटा हिस्सा हो सकती है, जबकि विकासशील देश के निम्न या मध्यम आय वाले व्यक्ति के लिए यही राशि उसके मासिक बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है। इसलिए एआई सेवाओं की वैश्विक कीमत निर्धारित करते समय केवल विदेशी मुद्रा की विनिमय दर को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है; स्थानीय आय, क्रय-शक्ति, औसत वेतन, जीवन-यापन की लागत और डिजिटल सेवाओं पर होने वाले खर्च को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को समझने के लिए प्रति व्यक्ति आय के साथ क्रय-शक्ति समता को देखना भी जरूरी है। किसी देश की प्रति व्यक्ति आय यदि विदेशी मुद्रा में कम दिखाई देती है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वहाँ प्रत्येक वस्तु उतनी ही महंगी है जितनी अमेरिका या यूरोप में। स्थानीय कीमतें, मजदूरी और सेवाओं की लागत अलग होती है। इसलिए क्रय-शक्ति समता किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू क्रय-क्षमता को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन एआई की कीमत तय करते समय केवल क्रय-शक्ति समता को भी अंतिम आधार नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि किसी देश की औसत आय और उसके गरीब या निम्न-मध्यम आय वाले नागरिकों की वास्तविक खर्च करने की क्षमता में बहुत अंतर हो सकता है। यही कारण है कि एक ही देश में किसी बड़े शहर के उच्च आय वाले पेशेवर और छोटे शहर के विद्यार्थी के लिए समान एआई सदस्यता शुल्क का आर्थिक प्रभाव बिल्कुल अलग हो सकता है। विशेष रूप से भारत जैसे विशाल और आय-विविधता वाले देश में स्थानीय क्रय-शक्ति के अनुरूप एआई की कीमत निर्धारित करने की आवश्यकता अधिक महसूस होती है।

यह समस्या इसलिए और गंभीर है क्योंकि दुनिया में डिजिटल असमानता अभी समाप्त नहीं हुई है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के वर्ष दो हजार पच्चीस के आंकड़ों के अनुसार दुनिया की लगभग तीन-चौथाई आबादी इंटरनेट का उपयोग कर रही है, लेकिन लगभग दो अरब बीस करोड़ लोग अब भी इंटरनेट से बाहर हैं और इनमें अधिकांश निम्न तथा मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में लगभग साठ प्रतिशत में इंटरनेट सेवाएँ अभी भी वहनीयता की समस्या से प्रभावित हैं। इतना ही नहीं, निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में मोबाइल इंटरनेट पर होने वाला आय का बोझ उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कई गुना अधिक है। ऐसी स्थिति में यदि इंटरनेट तक पहुँच पहले ही महंगी है और उसके ऊपर एआई की सदस्यता भी विकसित देशों के समान रखी जाती है, तो विकासशील देशों के लोगों के लिए एआई तक वास्तविक पहुँच और भी कठिन हो जाएगी।

एआई को केवल मनोरंजन या अतिरिक्त सुविधा मानना अब उचित नहीं होगा। एक विद्यार्थी इसका उपयोग कठिन विषय समझने, भाषा सीखने और अध्ययन सामग्री तैयार करने में कर सकता है। शिक्षक पाठ्य सामग्री और शिक्षण योजनाएँ विकसित कर सकते हैं। शोधकर्ता साहित्य समीक्षा, आँकड़ों के संगठन और प्रारंभिक विश्लेषण में सहायता ले सकते हैं। छोटा व्यापारी विपणन, ग्राहक सेवा और बाजार अनुसंधान में एआई का उपयोग कर सकता है। स्वतंत्र पेशेवर लेखन, अनुवाद, डिजाइन और डिजिटल सेवाओं की गुणवत्ता तथा उत्पादकता बढ़ा सकता है। इस प्रकार एआई तक सस्ती पहुँच वास्तव में मानव पूंजी और आर्थिक उत्पादकता में निवेश है। यदि विकासशील देशों के लोगों को महंगी सदस्यता के कारण अत्याधुनिक एआई से दूर रखा जाता है, तो भविष्य में विकसित और विकासशील देशों के बीच केवल आय का ही नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और उत्पादकता का अंतर भी बढ़ सकता है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में पहले से मौजूद असमानताएँ और अधिक गहरी हो सकती हैं। विश्व बैंक ने विकासशील देशों में एआई की समावेशी पहुँच के लिए संपर्क सुविधा, संगणना क्षमता, स्थानीय संदर्भ और दक्षता को महत्वपूर्ण आधार माना है। उच्च आय वाले देशों में इंटरनेट का उपयोग करने वाली आबादी का अनुपात निम्न आय वाले देशों की तुलना में बहुत अधिक है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

ललित गर्ग

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की

कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए, जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए, वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा।

स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्चे के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए, केवल यह पूछना कि 'बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?' पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी।

विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें।

बोध कथा

क्षणिक और मिथ्या होते हैं सांसारिक संबंध

एक बार संत के पास एक सत्संगी युवक आया। संत ने उससे हाल-चाल पूछा, तो उसने स्वयं को अत्यंत सुखी बताया। वह बोला, 'मुझे अपने परिवार के सभी सदस्यों पर बड़ा गर्व है। उनके व्यवहार से मैं संतुष्ट हूँ। संत बोले, तुम्हें अपने परिवार के प्रति ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दुनिया में अपना कोई नहीं होता। जहां तक मां-बाप की सेवा और पत्नी-बच्चों के पालन-पोषण का संबंध है, उसे तो कर्तव्य समझकर ही करना चाहिए। उनके प्रति मोह या आसक्ति रखना उचित नहीं।' युवक को बात जँची नहीं, बोला, आपको विश्वास नहीं कि मेरे परिवार के लोग मुझ पर अत्यधिक स्नेह करते हैं। यदि एक दिन घर न जाऊँ, तो उनकी भूख-प्यास उड़ जाती है और नींद हराम हो जाती है और पत्नी तो मेरे बिना जीवित ही नहीं रह सकती। ' संत बोले, ' तुम्हें प्राणायाम तो आता ही है। कल सुबह उठने के बजाय प्राणवायु मस्तक में खींचकर निश्चेष्ट पड़े रहना। मैं आकर सब संभाल लूँगा। ' दूसरे दिन युवक ने वैसा ही किया। प्राणायाम से उसने अपनी श्वास को रोक लिया और मृत समान लेटा रहा। उसे निर्जीव जान कर घर के सब लोग विलाप करने लगे। योजना के अनुसार संत उसी समय वहाँ पहुँचे। सब लोग उनके चरणों पर गिर पड़े। संत बोले, ' आप लोग शोक मत करें।

कविता

क्या देखा है तुमने कभी?

अंकिता जैन

क्या देखा है तुमने कभी ?
एक जोड़ा
उड़ता हुआ हवा में
भिगोते हुए पंख
करते हुए अठखेलियाँ
बहता हुआ लहर के साथ,
जो उठती है बिन मौसम,
युहीं कभी,
क्योंकि करता है मन
उसका मचलने का
और बहा ले जाने का
संग अपने उन जोड़ों को
जो निकले हैं
बहने और मचलने

क्या देखा है तुमने कभी ?
एक रूठा हुआ प्रेमी
बैठा है किसी डाल पर
इंतज़ार में प्रेमिका के
जो ला रही हो
उसका पसंदीदा दाना, चोंच में
दबाए
लड़ते हुए उस तूफ़ान से
जो निकला है मिटाने को घरौंदे
बिन अनुमान
युहीं कभी
क्योंकि करता है मन उसका तड़पने का
और उखाड़ देने का
उन सारे पेड़ों को
जिनकी टहनियों पर बैठे हैं
रूठे हुए प्रेमी

क्या देखा है तुमने कभी ?
एक भटका हुआ बादल
जो बिछड़ गया है, अपनी माँ से
किसी मोड़ पर आसमान में,
जो चला था समंदर से
लेकर उसका गुस्सा
फट पड़ने कहीं,
बिन सावन
युहीं कभी
क्योंकि करता है मन उसका बरसने का
और डुबो देने का
धरती का हर एक कोना
जो छीन रहा है,
समंदर से उसकी जगह।

व्यंग्य केसरी

किस देश की मूली हो?

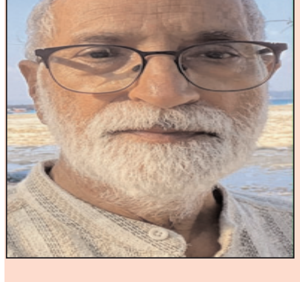
डॉ. रामेश्वरम तिवारी

गली, मोहल्ले, गाँव से लेकर शहर, शहर से लेकर देश और देश से लेकर दुनिया भर में चौधरियों की भरमार है। यह परम्परा भिन्न-भिन्न नामों और उपाधियों से आदिम काल से चली आ रही है और आगत में भी अनवरत रूप से गतिमान रहेगी।

चौधरी प्रशंसा का भूखा होता है। बड़ी-बड़ी डींगें हाँकना उसकी आदत में शुमार होता है। अपनी ताकत और दौलत के बूते पर ज़रूरतमंद और कमजोर व्यक्तियों पर अपनी हुकूमत क़ायम रखता है। अपने जायज़-नाजायज़ फ़ैसलों को जनता पर थोपकर अपना रौब गाँठता रहता है। अपने अधीनस्तों पर ज़ुल्म और ज़्यादतियाँ ढहाता रहता है। और बेचारी जनता गुलामों की तरह सर नीचाकर ख़ामोश बर्दाश्त करती रहती है। पर अब तो चौधरी ने हद कर दी है। शक्ति के मद में इतना गिर चुका है कि अपने विरोधी देशों पर जबरन बंदिशें थोपकर प्रताड़ित करने में लगा है। दुनिया पर आफ़त का बादल बनकर मंडरा रहा है।

इधर पिछली सदी में दुनिया के सबसे बड़े और शक्तिशाली चौधरी के समक्ष छोटे, पर ख़ुद्दार और मजबूत इरादों के धनी देशों के चौधरियों ने चुनौती पेश कर दी है और उनके बीच ऐसी ज़बरदस्त भिड़ंत हुई कि उसकी हेकड़ी निकल गई। वह पगला कर गली के गुंडों की तरह धमकियों पर उतर आया। कल तक जो दुनिया में लगी युद्धाग्नि को बुझाने के हवाई दावे किया करता था, आज वह दुनिया को आग के हवाले करने की बातें कर रहा है। और जिसे वह तिनका पहलवान समझा करता था उसके हाथों पिछले कई महीनों से बुरी तरह से पीट रहा है, पर जरासंध की तरह बार-बार दुश्मन देश पर हमला करने से बाज नहीं आ रहा है। इस कदर अँधा-बहरा हो चुका है कि किसी भी नेक दोस्त की सलाह सुनने-समझने को तैयार नहीं है। लगता है, दुनिया के तथाकथित चौधरी ने इतिहास में हिटलर, स्टालिन, माओ त्सु- तुंग जैसे अनेक आततायियों की फ़ेहरिस्त में अपना नाम दर्ज करवाने की ठान रखी है।

पर इन दिनों हवा में ग़ज़ब का शोर है। और देखने-सुनने में आ रहा है कि दुनिया के इस बड़बोले चौधरी का भेजा फिर गया है। वह दुनिया को अपनी उँगली पर नचाना चाहता है, पर भूल गया कि वक्त के दरिया का ढेर सारा पानी बह चुका है। जिन देशों को वह कभी गँवार और अपना गुलाम समझा करता था। उनमें आत्म स्वाभिमान की ज्योति जल चुकी है। वे तनकर अपने पैरों पर उठ खड़े हुए हैं। उन्होंने सहमति में सिर हिलाने, हाथ ऊपर उठाने और जी-हज़ूरी करने से साफ़ शब्दों में मना कर दिया है।

वक्त सबका बाप है और जब वक्त अपने पर आता है, तो बड़े से बड़े राजे-महाराजे, अर्जुन जैसे धनुर्धरों, भीम जैसे महाबाहो, सिकंदरों, अमीरों, वज़ीरों और तीसमारखाओं के बाजे बजा देता है, पलक झपकते खटिया खड़ी कर देता है। तो सुनो! मिस्टर चौधरी तुम किस खेत (देश) की मूली हो...!

इतिहास

21 अगस्त का दिन भारत और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन के लिए जाना जाता है। इस दिन हवाई अमेरिका का 50वां राज्य बना था और लियोनार्डो द विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग 'मोनालिसा' चोरी हुई थी।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं (Major Events)1911: पेरिस के लौवर संग्रहालय से लियोनार्डो द विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग 'मोनालिसा' चोरी हो गई थी।

1959: हवाई आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका का 50वां राज्य बना। 1972: भारत की संसद में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम पारित किया गया। 1991: लातविया ने सोवियत संघ से पूरी तरह से स्वतंत्र होने की घोषणा की।

2005: भारत और बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ।

ग्रामसभा फैसले पर दो माह बाद भी कार्रवाई नहीं, पंचायत में सवाल

विश्व केसरी

कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। जनपद पंचायत कवर्धा के अंतर्गत ग्राम पंचायत दैहानडीह में पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामसभा में पंचायत की कार्यप्रणाली में अनियमितता पाए जाने और सरपंच, सचिव तथा रोजगार सहायक के कार्यदायित्वों की जांच की मांग किए जाने के बावजूद दो माह बीतने पर भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। इस संबंध में ग्रामवासियों ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित आवेदन सौंपकर जांच दल गठित करने और मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार 24 जून 2026 को ग्राम पंचायत दैहानडीह में ग्रामसभा आयोजित हुई थी। ग्रामसभा में पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा के दौरान अनियमितता का मुद्दा सामने आया। आवेदन में स्पष्ट उल्लेख है कि सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के कार्यदायित्वों को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने आपस में चर्चा कर तीनों के कार्यों की जांच कराने तथा यदि जांच में दोष सामने आते हैं तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया।

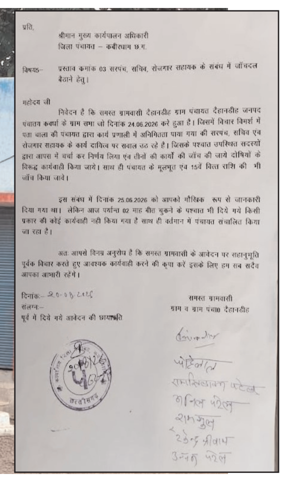

मामला केवल पंचायत के नियमित कामकाज तक सीमित नहीं है। ग्रामीणों ने पंचायत के मूलभूत कार्यों और 15वें वित्त की राशि की भी जांच कराने की मांग की है। इससे साफ है कि ग्रामीण पंचायत में विकास कार्यों और वित्तीय संसाधनों के उपयोग को लेकर भी स्थिति स्पष्ट कराने की मांग कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि ग्रामसभा में उठाए गए गंभीर मुद्दों की जांच कब होगी और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया कब शुरू होगी।

आवेदन में बताया गया है कि इस संबंध में 25 जून 2026 को संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से जानकारी दी गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद भी आज तक किसी प्रकार की प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। आवेदन में कहा गया है कि सूचना दिए जाने के बावजूद करीब दो माह बीत चुके हैं और पंचायत का संचालन पूर्ववत जारी है।

ग्रामीणों की ओर से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामसभा के निर्णय के अनुरूप जांच कराने की मांग की गई है। आवेदन में आग्रह किया गया है कि सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के कार्यों की निष्पक्ष जांच के साथ पंचायत के मूलभूत कार्यों तथा 15वें वित्त की राशि के उपयोग की भी पड़ताल की जाए। जांच में यदि अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ग्रामसभा में लिए गए निर्णय के बाद भी कार्रवाई लंबित रहने से पंचायत व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

ग्रामीणों ने अब लिखित आवेदन देकर पुनः प्रशासन का ध्यान इस मामले की ओर खींचा है। ऐसे में देखना होगा कि जिला पंचायत प्रशासन शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और जांच के नाम पर केवल कागजी प्रक्रिया चलती है या वास्तव में पंचायत के कामकाज और वित्तीय लेनदेन की परतें खोली जाती हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार शिकायत को लंबित रखने के बजाय समयबद्ध जांच कर स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

सितंबर से बिजली उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य

जिले के 2.33 लाख उपभोक्ताओं को कराना होगा आधार प्रमाणीकरण

विश्व केसरी

विश्व केसरी एक्सक्लूसिव

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बिजली उपभोक्ताओं के लिए अब ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) ने 1 सितंबर से सभी संबंधित विद्युत उपभोक्ताओं का आधार आधारित ई-केवाईसी कराने के निर्देश जारी किए हैं। इसके बाद बिजली कनेक्शन से जुड़े उपभोक्ताओं को अपनी पहचान का आधार प्रमाणीकरण कराना होगा। ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है। पूरे प्रदेश में 1 सितंबर से ई केवाईसी होगा।

कंपनी के कार्यपालक निदेशक की ओर से जारी आदेश के बाद बेमेतरा जिले के दोनों विद्युत डिवीजनों में इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। जिले में बेमेतरा और साजा विद्युत डिवीजन के अंतर्गत कुल 2 लाख 33 हजार 810 उपभोक्ता हैं, जिन्हें ई-केवाईसी करानी होगी। इसमें घरेलू, गैर घरेलू, कृषि, औद्योगिक, सड़क बत्ती, नलजल सहित विभिन्न श्रेणियों के कनेक्शन शामिल हैं।

घर बैठे भी कर सकेंगे ई-केवाईसी

उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी के लिए बिजली कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने इसके लिए कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। उपभोक्ता 'मोर बिजली एप' के माध्यम से स्वयं ई-केवाईसी कर सकेंगे। इसके अलावा संबंधित वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में उपस्थित होकर भी प्रक्रिया पूरी कराई जा सकेगी।

कार्यालय में अधिकृत कर्मचारी 'प्रकाश एप' के प्रकाश ई-केवाईसी पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता का आधार प्रमाणीकरण करेंगे। वहीं क्षेत्र में काम करने वाले मीटर रीडर भी मोबाइल एप के माध्यम से उपभोक्ताओं से संपर्क कर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे। इससे उपभोक्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार विकल्प चुनने की सुविधा मिलेगी।

आधार प्रमाणीकरण में ओटीपी, फिंगरप्रिंट और फेस का विकल्प

कंपनी के अनुसार ई-केवाईसी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रक्रिया आधार प्रमाणीकरण सर्विस से इंटीग्रेटेड है। इसमें ओटीपी के माध्यम से प्रमाणीकरण के साथ फिंगरप्रिंट और फेस ऑथेंटिकेशन की सुविधा भी उपलब्ध है। हालांकि ई-केवाईसी के लिए फिंगरप्रिंट डिवाइस का उपयोग अनिवार्य बताया गया है।

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ई-केवाईसी के नाम पर उपभोक्ताओं से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति इसके लिए राशि की मांग करता है तो उपभोक्ता संबंधित विद्युत कार्यालय में इसकी जानकारी दे सकते हैं।

बेमेतरा डिवीजन में 1.34 लाख उपभोक्ता

बेमेतरा विद्युत डिवीजन में कुल 1 लाख 34 हजार 872 उपभोक्ता हैं। इनमें 84 हजार 973 घरेलू, 6 हजार 68 गैर घरेलू, 28 हजार 638 कृषि, 43 कृषि संबंध, 606 औद्योगिक, 489 सड़क बत्ती और 1 हजार 623 नलजल कनेक्शन शामिल हैं। इन सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जयंती पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के देश के प्रति योगदान, दूरदर्शी सोच और आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को तकनीकी एवं संचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के साथ युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। कांग्रेसजनों ने उनके विचारों और देशहित में किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के पश्चात कांग्रेसजन राजीव गांधी चौक, गार्डन चौक पहुंचे। यहां राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस नेताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलाहरे, पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश यदु, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर यदु, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद केसरवानी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष प्रवीण सेन, जिला महामंत्री सुनील साहू, समीर अग्रवाल, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम गिरी, जनपद सदस्य आर्यन शुक्ला आदि उपस्थित थे।

ज्ञान के बिना नहीं मिटती भेद दृष्टि, सती चरित्र से श्रद्धालुओं को मिला आत्मज्ञान का संदेश : वरूण तिवारी

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम 19 अगस्त विश्वकेसरी । प्रयाग तीर्थ राज्य में स्थित श्री राजीव लोचन मंदिर प्रांगण में झूला पर्व के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। कथा के तृतीय दिवस कथा व्यास पंडित श्री वरुण तिवारी महाराज ने सती चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए ज्ञान, विनम्रता और भेद दृष्टि के महत्व पर प्रकाश डाला।

कथा प्रसंग सुनाते हुए पंडित वरुण महाराज ने बताया कि त्रेतायुग में भगवान शिव माता सती के साथ कुंभज ऋषि अर्थात अगस्त्य मुनि के आश्रम में भगवान की कथा श्रवण करने पहुंचे। इस प्रसंग को गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में माता सती के लिए 'संग सती, जग जननी भवानी' जैसे संबोधनों के माध्यम से अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

उन्होंने बताया कि जब अगस्त्य ऋषि ने भगवान शिव और माता सती के चरणों में प्रणाम किया तो माता सती के मन में शंका उत्पन्न हो गई। उन्हें लगा कि जिन ऋषि से वे कथा सुनने आए हैं, वे स्वयं उनके चरणों में प्रणाम कर रहे हैं। यही शंका उनके भीतर भेद दृष्टि का कारण बनी और कथा का ज्ञान उनके मन पर प्रभाव नहीं डाल सका। पंडित वरुण तिवारी ने कहा कि इसी भेद दृष्टि के कारण माता सती भगवान श्रीराम के वास्तविक स्वरूप को पहचान नहीं सकीं और

उन्हें साधारण मानव समझ बैठीं। भगवान शिव ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया, लेकिन सती के मन में उत्पन्न संशय के कारण उन्होंने भगवान की परीक्षा लेने का प्रयास किया। परिणामस्वरूप भगवान शिव उनसे क्षुब्ध हुए और सती का परित्याग कर दिया। अंततः माता सती को अपने शरीर का त्याग करना पड़ा।

कथा व्यास ने कहा कि ज्ञान मनुष्य के भीतर विनम्रता पैदा करता है और अज्ञान भेद दृष्टि को जन्म देता है। जब तक जीव और ब्रह्म के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान नहीं होता, तब तक मनुष्य सत्य को पहचानने में भूल कर सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि जीवन में जहां भी ज्ञान की दो बातें प्राप्त हों, उन्हें ग्रहण करना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानार्जन और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। मंदिर प्रांगण में चल रही कथा में श्रद्धालुओं की अच्छी भीड़ उमड़ रही है। कथा के यजमान चंद्रभान सिंह ठाकुर हैं। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष रामकुमार ठाकुर, पुजारी जागेश्वर शर्मा, प्रबंधक पुरुषोत्तम मिश्रा, नरेंद्र सिंह ठाकुर, रमेश सिंह ठाकुर, राजेंद्र सिंह ठाकुर, बैकुंठ सिंह ठाकुर, पंडित विजय शर्मा, रुपेश शर्मा, कृपाराम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक फौजी, एक राखी... अंतागढ़ की बेटियों ने भेजा सरहद के जवानों के नाम स्नेह का धागा

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और देशभक्ति का अनूठा संगम अंतागढ़ में देखने को मिला। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय अंतागढ़ की छात्राओं ने अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात जवानों के लिए भेजा।

'एक फौजी, एक राखी' की भावना के साथ छात्राओं ने बड़े स्नेह और उत्साह से रंग-बिरंगी राखियां बनाईं। इन राखियों में केवल धागे और सजावट नहीं, बल्कि उन बेटियों की भावनाएं भी जुड़ी थीं, जिनके लिए सीमा पर तैनात जवान किसी अपने भाई से कम नहीं हैं।

छात्राओं ने कहा कि रक्षाबंधन केवल अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि उन वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है, जो अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा में अपना कर्तव्य निभाते हैं।

विद्यालय की छात्राओं के हाथों से बनी ये राखियां जब जवानों तक पहुंचेंगी, तो शायद हजारों किलोमीटर दूर बैठी इन बेटियों का स्नेह उन्हें अपनेपन का एहसास कराएगा। किसी बहन की बनाई राखी की तरह ही इन राखियों में भी एक छोटी-सी प्रार्थना छिपी है— देश की रक्षा करने वाला हर जवान सुरक्षित रहे और सकुशल अपने परिवार के पास लौटे।

अंतागढ़ की इन बेटियों ने रक्षाबंधन के इस पर्व पर यह संदेश दिया कि रिश्ते केवल खून से नहीं, भावनाओं और सम्मान से भी बनते हैं। उनके हाथों से बनी राखियां सरहद के प्रहरी भाइयों के लिए स्नेह, सम्मान और देशभक्ति का संदेश लेकर रवाना हुईं।

अंतागढ़ में आज रोजगार मेला, 222 पदों पर भर्ती का अवसर

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) अंतागढ़, जिला उत्तर बस्तर कांकेर में 21 अगस्त 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों पर भर्ती के लिए युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। रोजगार मेले में कुल 222 रिक्त पदों के लिए भर्ती की जाएगी। इसमें एलर्ट प्लेसमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के 100 पद, असिस्टेंट सुपरवाइजर के 20 पद एवं सुपरवाइजर के 8 पदों पर भर्ती की जाएगी। सिक्योरिटी गार्ड के लिए 8वीं/10वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जबकि असिस्टेंट

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अंतागढ़, जिला उत्तर बस्तर कांकेर

रोजगार मेला दिनांक - 21.08.2026 हेतु निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों द्वारा प्राप्त रिक्त पदों की जानकारी

क्र.	नियोजकों का नाम एवं पता	पदनाम	रिक्तियों की संख्या	निर्धारित योग्यता	आवश्यक अनुभव	वेतन	आयु सीमा	मोबा./दूरभाष	रिमार्क
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	मैनेजर, एलर्ट प्लेसमेंट सर्विस प्राईवेट लिमिटेड रायपुर (छ.ग.)	सेक्युरटी गार्ड	100	8 वीं/10 वीं उत्तीर्ण	-	16,000/17,000	20 से 45 वर्ष	9977517130 7747000019	-
		असिस्टेंट सुपरवाईजर	20	12 वीं/स्नातक	1 वर्ष	15,000/16,000	22 से 45 वर्ष		-
		सुपरवाईजर	08	स्नातक	2 वर्ष	13,000/16,000	22 से 45 वर्ष		-
2.	मैनेजर, श्रमिन टेलेन्ट सर्विस प्राईवेट रायपुर	इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन	30	10वीं/12 वीं उत्तीर्ण	-	15,000/18,000	18 से 35 वर्ष	9893026590	अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, पखांजुर
3.	मैनेजर, दिवाली इन्शुरेंस प्रा.लि. कांकेर	बीमा सखी	21	10 वीं उत्तीर्ण	-	7000/15,000	25 से 55 वर्ष	6264169548	कांकेर
4.	मैनेजर, यूपीडीटी एडुकेशन टेक्नोलॉजी प्रा.लि. रायपुर	नार्सिंग स्टाफ	10	बी.एस.सी.नर्सिंग	10 वर्ष	8000/30,000	18 से 35 वर्ष	8109718211	
		सेल्स एक्सक्युटीभ	03	ऑपरेशन थियेटर ऑपरेटर	-	10,000/20,000	18 से 35 वर्ष		
		ट्रेनिंग ऑफिसर	30	स्नातक	3 वर्ष	3000/15,000	21 से 40 वर्ष		
	योग:-		222	-	-	-	-		-

सौजन्य :- जिला रोजगार अधिकार, आई.टी.आई जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोड़ेजुंगा उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

सुपरवाइजर के लिए 12वीं/स्नातक तथा सुपरवाइजर के लिए स्नातक योग्यता निर्धारित है।

इसी प्रकार श्रमिन टैलेंट सर्विस प्राइवेट रायपुर द्वारा इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 10वीं/12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। दिवाली इंश्योरेंस प्रा.लि., कांकेर द्वारा बीमा सखी के 21 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित है । यूपीएडिटी एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्रा.लि. रायपुर द्वारा नर्सिंग स्टाफ के 10 पद, सेल्स एक्जीक्यूटिव के 3 पद तथा ट्रेनिंग ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। नर्सिंग स्टाफ के लिए बी.एससी. नर्सिंग, सेल्स एक्जीक्यूटिव के लिए ऑपरेशन थिएटर ऑपरेटर तथा ट्रेनिंग ऑफिसर के लिए स्नातक योग्यता निर्धारित की गई है। उपलब्ध पदों के अनुसार वेतनमान 3,000 से 30,000 रुपये प्रतिमाह तक निर्धारित है। विभिन्न पदों के लिए आयु सीमा 18 से 55 वर्ष तक रखी गई है तथा कुछ पदों के लिए संबंधित कार्यक्षेत्र में अनुभव भी अनिवार्य है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 21 अगस्त 2026 को रोजगार मेले में आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

फर्जी शिक्षाकर्मी भर्ती मामला : कार्रवाई पर जिलादण्डाधिकारी का हुआ तबादला

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम 19 अगस्त विश्वकेसरी । गरियाबंद जिले अंतर्गत मैनपुर ब्लाक का वर्ष 2005 से 2007 के बीच का बहुचर्चित फ़र्जी शिक्षाकर्मी भर्ती घोटाला की जाँच रिपोर्ट और फर्जी शिक्षकों की सूची मांगना जिले के कलेक्टर तक को भारी पड़ गया। फर्जी शिक्षाकर्मियो का लाबी और उनको संरक्षण दे रहे राजनीतिज्ञ व नौकरशाह ने मिलकर कलेक्टर की ही बलि ले ली। सूची मांगने के महज 15 दिनों के भीतर कलेक्टर की बदली कर दिया जाना इसका पुख्ता प्रमाण माना जा रहा है। समाज सेवी गणेश साहू ने बताया कि जिले में इसको लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। जिले के लोग इसे जिन्न को बोतल से बाहर निकलने जैसा उपद्रव और दुस्साहस कार्य बतला रहे है।

साहू ने आगे बताया कि दरअसल सालों पहले इस मामले की जाँच हो चुकी है और 102 फर्जी शिक्षाकर्मी बर्खास्त किये जा चुके है। बावजूद तब उच्च राजनितिक रसूख और दबंग छबि के 165 संदिग्ध शिक्षकों को बचा लिया गया था। जिनमे से 111 फर्जी शिक्षाकर्मी अभी भी गरियाबंद जिले के विभिन्न ब्लाकों में पदस्थ है और राजसुख भोग रहे है। सरकार के नुमाइंदो का सतत् संरक्षण इन फर्जी शिक्षको को बना हुआ है। गरियाबंद जिले की जनता ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश इस अलोकतांत्रिक व्यावहार को बड़ी संजीदगी से देख और समझ रही है। खासकर आज का जेन-जी वर्ग में इसे लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। यह आक्रोश किस रूप में फूटेगा कहना मुश्किल है। सोशल मीडिया में ट्रेंड करने के बाद फर्जी शिक्षाकर्मी भर्ती घोटाला से जुड़े चेहरे अब बेनकाब होते जा रहे है। इसलिए ज्यादा दिनों तक इस मामले को लटकाने-भटकाने और ट्रांसफर-पोस्टिंग का खेल खेलकर दबाया न जा सकेगा।

साहू ने आगे बताया कि पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व जनपद और जिला पंचायत पदाधिकारियों के अलावा ब्यूरोक्रेसी से जुड़े सभी नाम अब बेनकाब हो चुके है जो सतत् इन फर्जी शिक्षाकर्मीयों को संरक्षण दे रहे है और शासन पर अनुचित दबाव डालकर उन्हें विगत 20 वर्षों से बचाते चले आ रहे है। इन सबकी चल-अचल संपत्ति की भी जाँच किये जाने की अवश्यकता है। सिर्फ फर्जी शिक्षाकर्मीयों को सजा देने से कुछ खास ना होंगा। ये वर्ग फिर फर्जी शिक्षाकर्मी खोज लाएंगे। माननीय उच्च न्यायालय को भी इस मामले को संज्ञान में लेना चाहिए ऐसा जिले के ज्यादातर लोगों का अभिमत है।

111 शिक्षकों के नाम... कौन-कहां से, कितने बोगस अंक या गड़बड़ी वाले हैं

मैनपुर ब्लॉक: हेमप्रकाश यादव (9 अंक), शत्रुघ्न बघेल (12.5), रूपेश्वर कश्यप (23.5), नरेंद्र कुमार मांझी (7), तनवीर सिंह ध्रुवा (12.5), यज्ञेश कुमार सोम (अंकसूची ही फर्जी), सुनाधार मांझी (10.5), ईश्वर सिंह मांझी (10.5), शेखरचंद यदुवंशी (10.5), मदन राम नायक (10.5), धोबलेश्वर साहू (10.5), वंदना कुर्रे (18 वर्ष से कम उम्र में नौकरी), गोविंद राम यादव (18), हेमलाल नागेश (15), जगन्नाथ वैष्णव (19), प्रेमशीला साहू (9.5), कृष्ण कुमार प्रधान (9.5), विवेकानंद कश्यप (8), ओमप्रकाश नायक (दस्तावेज ही नहीं दिए), खेमराज सिन्हा (15), दुर्गेश कुमार चंद्राकर (16.5), मंजू वर्मा (अंकसूची संदेहास्पद), शिवकुमार वर्मा (अनुभव प्रमाण पत्र संदिग्ध), लोमश कुमार साहू (18 वर्ष से कम में भर्ती), दयाराम सोनवानी (12), चंद्रकिशोर बघेल (14.5), दारासिंह प्रधान (8), डोमार राम साहू (फर्जी अंकसूची), होलेश्वर साहू (4.5), नीलम नागेश (8), दुर्गेश्वरी साहू (7), प्रियेंद्र राजपूत (21.5), सूर्यकांत शर्मा (19), निधि ठाकुर (4.5), खोगेश्वर मांझी (दस्तावेज परीक्षण योग्य), राजेश कुमार साहू (अनुभव प्रमाण पत्र नहीं), उमा शांडिल्य (16.5), बेनूधर कश्यप (12), कुसमो राम चैहान (अनुभव परीक्षण योग्य), दीपक ध्रुव (योग सर्टिफिकेट परीक्षण योग्य है), मोहर राय मिरी (अनुभव परीक्षण योग्य है), मोहम्मद रिजवान (गलत अनुभव प्रमाण पत्र), सत्येंद्र साहू (गलत अनुभव पर नौकरी दी) एवं अन्य।

रुपये नहीं देने पर वृद्ध की हत्या नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। ग्राम मुडियाडीह-खैंदा मेनरोड पर 65 वर्षीय वृद्ध केजराम ध्रुव की हत्या के मामले में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा कर दिया। रुपये देने से इनकार करने पर विधि से संघर्षरत बालक ने धारदार हथियार से वृद्ध पर ताबड़तोड़ हमला किया था। वारदात के बाद आरोपी भागकर महासमुंद की ओर निकल गया, लेकिन पुलिस की तकनीकी निगरानी और घेराबंदी के चलते उसे पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त की शाम ग्राम मुडियाडीह-खैंदा मेनरोड पर केजराम ध्रुव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। मृतक शाम करीब पांच बजे अपने घर

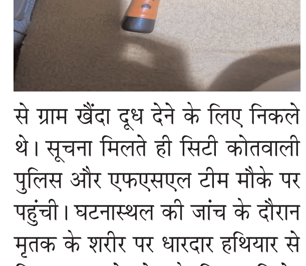

से ग्राम खैंदा दूध देने के लिए निकले थे। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल की जांच के दौरान मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से किए गए गहरे चोट के निशान मिले। मृतक के पुत्र लकेश्वर ध्रुव की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 697/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मुखबिर तंत्र के साथ तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन ट्रैकिंग पर काम शुरू किया। पुलिस को जानकारी मिली कि घटना के बाद फरार विधि से संघर्षरत बालक बलौदाबाजार से रायपुर पहुंचा और वहां से बस के जरिए महासमुंद की ओर जा रहा है। पुलिस टीम ने तत्काल पीछा कर महासमुंद क्षेत्र में उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में बालक ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार घटना के समय आरोपी मेनरोड पर बैठा था। वृद्ध के वहां से गुजरने पर उसने रुपये मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी ने गुप्ती जैसे धारदार हथियार से वृद्ध पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सात दिन बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 628 अंक चढ़ा

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार लगातार सात सत्रों की गिरावट के बाद गुरुवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 628.04 अंक या 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,537.72 और निफ्टी 153.55 अंक या 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,231.85 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व मीडिया, रियल्टी और प्राइवेट बैंक ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया (2.13 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.41 प्रतिशत) और निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.89 प्रतिशत) की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी इन्फ्रा सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे। निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 262.80 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 63,671.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 134.30 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,841.45 पर था। सेंसेक्स पैक में इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एलएंडटी, एचयूएल, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एमएंडएम गेनर्स थे। टाटा स्टील, इंडिगो, एचसीएल टेक और टाइटन लूजर्स थे। जानकारों के मुताबिक, बॉन्ड यील्ड में तेजी को रोकने के लिए यूएस ट्रेजरी के दखल से बाजार को बहुत जरूरी राहत मिली, जिससे जबरदस्त तेजी आई और घरेलू बाजार में हफ्ते भर से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। इस दखल से डॉलर कमजोर हुआ और इससे रुपए को मजबूती मिलने एवं यील्ड का दबाव कम होने से उभरते बाजार निवेशकों के लिए आकर्षण हो गए। उन्होंने आगे कहा कि बाजार में यह सुधार सभी सेक्टर में दिखा, जिसमें मुख्य रूप से आईटी और फाइनेंशियल शेयरों में तेजी का योगदान रहा, क्योंकि यील्ड में नरमी से खर्च को बढ़ावा मिलता है। हालांकि, अभी भी कच्चे तेल की कीमत उच्च स्तर पर हैं, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

भारत में मुख्य उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में 5.4 प्रतिशत रही

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का प्रमुख उद्योगों के लिए संयुक्त सूचकांक (आईसीआई) की वृद्धि दर जुलाई में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत रही है। इसकी वजह लौह अयस्क, सीमेंट और बिजली उत्पादन में तेज वृद्धि होना है। यह जानकारी वाणिज्य और औद्योगिक मंत्रालय की ओर से गुरुवार को दी गई।

सीमेंट सेक्टर में इस महीने 13.1 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई, क्योंकि हाईवे, पोर्ट और रेलवे जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सरकार के भारी निवेश की वजह से इसकी मांग बनी रही। जुलाई में लौह अयस्क के उत्पादन में 29.5 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई। उत्पादन प्रक्रिया में लौह अयस्क के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और औद्योगिक विकास में इसके योगदान को देखते हुए, इसे आईसीआई की नई सीरीज में प्रमुख उद्योगों की लिस्ट में एक नए आइटम के तौर पर शामिल किया गया है। इसके चलते, नई सीरीज में मुख्य उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई है। यह पिछले महीने ही लागू हुई थी।

आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में बिजली उत्पादन में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कोयले का उत्पादन 7.6 प्रतिशत बढ़ा। इस महीने के दौरान स्टील और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में क्रमशः 2.9 प्रतिशत और 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

हालांकि, इस साल जुलाई में प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल और उर्वरकों की वृद्धि दर में गिरावट देखी गई। सरकारी बयान के मुताबिक, जून 2026 के महीने के लिए फाइनल इंडेक्स को 119.6 (अस्थायी अनुमान) से बदलकर 120.7 कर दिया गया है। इससे सालाना आधार पर वृद्धि दर 5 प्रतिशत से बदलकर 6 प्रतिशत हो गई है। आईसीआई की अप्रैल-जुलाई 2026 में संचयी वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1.5 प्रतिशत थी।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आर्थिक सलाहकार कार्यालय ने इस साल जून के डेटा के लिए पहली बार जुलाई में 2022-23 के आधार वर्ष के साथ आईसीआई की संशोधित सीरीज जारी की थी।

भारत में अगले दो वर्षों में हर चार में से तीन कॉरपोरेट ऑफिस पोर्टफोलियो का विस्तार करने की बना रहे योजना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में कंपनियां अब भरोसे और मजबूत कारोबारी संभावनाओं के आधार पर विकास के चरण में प्रवेश कर रही हैं। इस कारण हर चार में से तीन कॉरपोरेट ऑफिस उपयोगकर्ता अगले दो वर्षों में अपने ऑफिस पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 30 प्रतिशत ऑफिस उपयोगकर्ता भारत में अपने ऑफिस पोर्टफोलियो का 'महत्वपूर्ण' विस्तार करने की योजना बना रहे हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 18 प्रतिशत था।

अप्रैल से जून 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों के बीच भरोसे के आधार पर विस्तार के ट्रेंड में मजबूत वृद्धि हुई है। सर्वे में शामिल करीब आधे ऑफिस उपयोगकर्ता कारोबार में वृद्धि के साथ अपनी रियल एस्टेट मौजूदगी बढ़ाने और मौजूदा परिसंपत्तियों को समेकित करने की रणनीति अपना रहे हैं।

इसी दौरान, करीब एक चौथाई ऑफिस उपयोगकर्ता अगले दो वर्षों में अपने मौजूदा लीज समझौतों को नवीनीकृत करने की योजना बना रहे हैं। विस्तार की योजना बना रहे उत्तरदाताओं ने कहा कि वे अगले दो वर्षों में भारत में अपने ऑफिस पोर्टफोलियो का 30 प्रतिशत से अधिक विस्तार करना चाहते हैं।

सीबीआरई के चेयरमैन एवं सीईओ (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, 'जब करीब एक-तिहाई ऑफिस उपयोगकर्ता अपनी ऑफिस मौजूदगी को एक-तिहाई से अधिक बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि कंपनियां भारत की रियल एस्टेट रणनीति को लेकर केवल चक्रीय नहीं, बल्कि संरचनात्मक बदलाव की दिशा में बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऑफिस क्षेत्र में कुल उपलब्ध स्थान पहले ही 1 अरब वर्ग फुट का आंकड़ा पार कर चुका है। ऐसे में कंपनियों का यह उत्साह कॉरपोरेट विकास के लिए भारत को दीर्घकालिक गंतव्य के रूप में लेकर उनके लगातार भरोसे को दर्शाता है।

सीबीआरई के भारत में लीजिंग सर्विसेज के प्रबंध निदेशक राम चंदनानी ने इस विस्तार की व्यापकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह विस्तार किसी एक क्षेत्र या किसी विशेष क्षेत्र से आने वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जरूरत कंपनियों की परिचालन आवश्यकताओं से जुड़ी है। उन्होंने कहा, 'करीब 63 प्रतिशत बड़े आकार के ऑफिस उपयोगकर्ता अगले दो वर्षों में विस्तार और समेकन की योजना बना रहे हैं। इससे स्थापित और उभरते दोनों माइक्रो-मार्केट में ऑफिस की मांग बढ़ने की संभावना है। भारतीय ऑफिस बाजार ने पिछले कुछ वर्षों में मजबूत प्रदर्शन किया है। दूसरी 2026 में सकल लीजिंग 2.46 करोड़ वर्ग फुट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 18 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 14 प्रतिशत अधिक है।

इससे 2026 की पहली छमाही में कुल ऑफिस अवशोषण 4.55 करोड़ वर्ग फुट हो गया, जो किसी छमाही के लिए अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और 2025 की पहली छमाही से करीब 10 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) सबसे बड़ा योगदानकर्ता बने हुए हैं। उन्होंने तिमाही में ऑफिस लीजिंग का 42 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया और रिकॉर्ड 1.03 करोड़ वर्ग फुट की मांग दर्ज की। वहीं, फ्लेक्स ऑपरेटरों की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही।

एलएंडटी ने दुबई एयरपोर्ट पर एपीएम सिस्टम विकसित करने के लिए जीता 5,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश की दिग्गज इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टर्बो (एलएंडटी) को दुबई के अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में ऑटोमोटेड पीपल मूवल (एपीएम) सिस्टम डिजाइन और विकसित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। यह जानकारी कंपनी की ओर से गुरुवार को दी गई।

कंपनी ने बताया कि यह ऑर्डर उसके ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनेस को मिला है। साथ ही, कहा कि उसने यह ऑर्डर जापान की मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज (एमएचआई) के साथ मिलकर एक कंसोर्टियम में हासिल किया है। इसमें एलएंडटी पूरी तरह से इंटीग्रेटेड एपीएम सिस्टम की टर्नकी डिलीवरी के लिए जिम्मेदार है, जिसमें कंस्ट्रक्शन, आपूर्ति, टेस्टिंग, कमीशनिंग और ऑपरेशन के लिए तैयार करना शामिल है। ऑटोमेटेड पीपल मूवर एक ड्राइवर-लेस ट्रांसपोर्ट सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल यात्रियों को एयरपोर्ट टर्मिनल और दूसरी सुविधाओं के बीच लाने-ले जाने के लिए किया जाता है। डिजाइन-एंड-बिल्ड कॉन्ट्रैक्ट के तहत, एलएंडटी मुख्य एपीएम इंफ्रास्ट्रक्चर और सिस्टम के डिजाइन, खरीद, डिलीवरी और इंटीग्रेशन का काम करेगा। इसमें गाइडवे, डीसी ट्रैक्शन सबस्टेशन, पावर डिस्ट्रीब्यूशन, सिग्नलिंग और टेलीकम्युनिकेशन, ऑनबोर्ड कम्युनिकेशन सिस्टम, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर और डिपो इक्विपमेंट शामिल हैं। एलएंडटी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को दुबई एविएशन सिटी कॉर्पोरेशन विकसित कर रहा है और इसे दुबई एविएशन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स के जरिए लागू किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि यह एयरपोर्ट के लंबे समय के, कई चरणों वाले विस्तार प्रोग्राम का एक अहम हिस्सा है।

एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि पूरी तरह से डेवलप होने के बाद, अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने की उम्मीद है, जिसकी सालाना क्षमता 26 करोड़ यात्री और 1.2 करोड़ टन माल ढोने की होगी। एलएंडटी में ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट और हेड, रामकुमार एस ने कहा कि यह प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड एपीएम रेल सिस्टम को लागू करने में कंपनी की काबिलियत को दिखाता है।

उनके अनुसार, एमएचआई के एपीएम सिस्टम और एलएंडटीके इंटीग्रेटेड सिस्टम के अनुभव का मेल - जिसे कंपनी की इंजीनियरिंग डिज़ाइन काबिलियत का भी साथ मिलेगा - सुरक्षा और क्वालिटी पर खास ध्यान देते हुए काम को पूरा करने में मदद करेगा।

मैजिक मोमेंट्स ने भारत में खास फ्लेवर वाले पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए पेश किया नया 'मैजिक मोमेंट्स आम पन्ना'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख स्पिरिट्स कंपनियों में से एक रेडिको खेतान लिमिटेड ने अपने बेहद सफल 'फ्लेवर ऑफ इंडिया' पोर्टफोलियो में नया उत्पाद 'मैजिक मोमेंट्स आम पन्ना' लॉन्च करने की घोषणा की है।

देश के सबसे पसंदीदा पेय पदार्थों में से एक से प्रेरित यह लॉन्च, भारत की समृद्ध स्वाद विरासत को आधुनिक और नए अनुभवों के जरिए पेश करने की मैजिक मोमेंट्स की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

यह लॉन्च मैजिक मोमेंट्स वोदका के शानदार सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैजिक मोमेंट्स भारत का नंबर-1 और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा वोदका ब्रांड है। वित्त वर्ष 2026 में 86 लाख केस और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 32.5 लाख से अधिक केस की बिक्री के साथ ब्रांड उपभोक्ता-केंद्रित फ्लेवर इनोवेशन के जरिए इस कैटेगरी की वृद्धि को लगातार नई दिशा दे रहा है।

आम पन्ने की यादों, ताजगी और जीवंतता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया मैजिक मोमेंट्स आम पन्ना कच्चे आम के खट्टे स्वाद को प्रीमियम वोदका की मुलायमियत के साथ जोड़ता है। मैजिक मोमेंट्स की खास 5-स्टेज फिल्ट्रेशन प्रक्रिया से तैयार किया गया यह नया वैरिएंट मीठे और खट्टे स्वाद का संतुलित अनुभव देता है, जबकि इसका क्रिस्प फिनिश भारतीय स्वाद के अनुरूप तैयार किया गया है।

आम पन्ना के लॉन्च के साथ 'फ्लेवर ऑफ इंडिया' पोर्टफोलियो में अब भारत के कुछ सबसे लोकप्रिय फ्लेवर शामिल हो गए हैं, जिनमें ठंडाई, अल्फांसो मैंगो और जामुन स्पाइसीमिंट शामिल हैं। 'सोल ऑफ इंडिया' अभियान की सोच पर आधारित यह लॉन्च उन स्वादों, यादों और सांस्कृतिक अनुभवों का जश्न मनाता है, जो अलग-अलग पीढ़ियों और क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को जोड़ते हैं।

लगभग 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मैजिक मोमेंट्स ने भारत के वोदका बाजार के विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत में वोदका कैटेगरी में कई वर्षों से संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसके पीछे बदलती उपभोक्ता पसंद, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, कॉकटेल संस्कृति, घर पर सामाजिक मेल-जोल के बढ़ते अवसर और नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के बीच व्हाइट स्पिरिट्स की बढ़ती स्वीकार्यता प्रमुख कारण हैं।

फ्लेवर वाली वोदका इस कैटेगरी की वृद्धि के सबसे मजबूत माध्यमों में से एक बनकर उभरी है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुल वोदका बिक्री में इसका हिस्सा 75 प्रतिशत से अधिक रहा। नए फ्लेवर लगातार नए उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहे हैं और उन्हें नए उत्पाद आजमाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर कुल स्पिरिट्स खपत में वोदका की हिस्सेदारी करीब 28-30 प्रतिशत है, जबकि भारत के आईएमएफएल बाजार में इसकी हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2026 में 4.3 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही। यह आंकड़े इस कैटेगरी में लंबी अवधि में वृद्धि की बड़ी संभावनाओं को दर्शाते हैं।

वेदारण्यम में नमक उत्पादन लक्ष्य के करीब, गर्मी से बढ़ी पैदावार

विश्व केसरी

नागपट्टिनम। तमिलनाडु के वेदारण्यम में नमक उत्पादक अनुमानित उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत पूरा कर लेने के बाद इस वर्ष के 1.75 लाख टन के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने को लेकर आश्वस्त हैं। भीषण गर्मी के लंबे दौर ने मौसम की शुरुआत में बेमौसम बारिश के कारण हुई रुकावटों के बाद उत्पादन में तेजी लाने में मदद की है।

नागपट्टिनम जिले के वेदारण्यम क्षेत्र के प्रमुख उत्पादन केंद्रों, अगस्थियामपल्ली, कोडियाक्कडु और कडिनलवायल में लगभग 3,000 एकड़ में नमक का निर्माण किया जाता है।

इस उद्योग में लगभग 800 लघु स्तरीय निर्माता शामिल हैं, जो बड़ी संख्या में श्रमिकों को मौसमी रोजगार प्रदान करते हैं। उत्पादन आमतौर पर फरवरी में शुरू होता है और अक्टूबर में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन तक जारी रहता है। सीजन का एक महीने से अधिक समय शेष है और मानसून के अक्टूबर के आसपास आने की उम्मीद है, उत्पादकों का मानना है कि यदि शुष्क मौसम जारी रहता है तो शेष लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

वेदारण्यम का लघु नमक उद्योग सामान्यत: प्रतिवर्ष 1.7 लाख से 2 लाख टन नमक का उत्पादन करता है। हालांकि, पिछले वर्ष भारी वर्षा ने परिचालन को बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे उत्पादन सामान्य लक्ष्य के केवल 40 प्रतिशत तक ही सीमित रहा। मौजूदा सीजन के शुरुआती महीनों में रुक-रुक कर हुई बारिश ने नमक के खेतों में काम को बार-बार बाधित किया। मई में लगातार गर्म मौसम शुरू होने के बाद उत्पादन में जबरदस्त सुधार हुआ। लगातार जारी गर्मी के कारण वाष्पीकरण बढ़ गया है और नमक के क्रिस्टल अधिक तेजी से बनने लगे हैं।

निर्माताओं ने बताया कि नमक के खेतों में बारिश के बाद कम से कम एक सप्ताह तक लगातार धूप की आवश्यकता होती है ताकि नमक का सही क्रिस्टलीकरण फिर से शुरू हो सके। शेष सप्ताहों में और बारिश होने से उत्पादन में देरी हो सकती है, लेकिन मौजूदा मौसम की स्थिति से उम्मीद है कि सीजन समाप्त होने से पहले लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। दिन की भीषण गर्मी से बचने के लिए श्रमिकों ने अपने कार्य समय में बदलाव किया है। वे सुबह 3 बजे से ही काम शुरू कर देते हैं और अपेक्षाकृत ठंडे सुबह के घंटों के दौरान नमक की कटाई, संग्रहण और ढेर लगाने का काम पूरा कर लेते हैं।

वेदारण्यम खाद्य और औद्योगिक दोनों प्रकार के नमक का उत्पादन करता है। कुल उत्पादन में खाद्य नमक का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत है, जबकि औद्योगिक नमक शेष 40 प्रतिशत है।

मजबूत ग्रोथ, कम महंगाई के बीच FY27 में ब्याज दरें स्थिर रखेगा RBI

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चालू वित्त वर्ष 2026-27 में नीतिगत ब्याज दरों को लंबे समय तक स्थिर रख सकता है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और महंगाई भी नियंत्रण के दायरे में है। ऐसे में केंद्रीय बैंक के पास फिलहाल ब्याज दरों में कोई त्वरित बदलाव करने का दबाव नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की हालिया मौद्रिक नीति टिप्पणियों से यह संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक संभावित जोखिमों को लेकर सतर्क है और नीति समिति के कुछ सदस्यों का रुख अपेक्षाकृत सख्त हुआ है। हालांकि मौजूदा आर्थिक आंकड़े ऐसी स्थिति नहीं दिखाते, जहां तुरंत ब्याज दर बढ़ाने की आवश्यकता हो।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, देश की आर्थिक वृद्धि दर आगे भी मजबूत बनी रहने की संभावना है। विभिन्न प्रमुख आर्थिक संकेतक इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि घरेलू मांग और आर्थिक गतिविधियों में मजबूती बनी हुई है। इसी आधार पर संस्थान ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान ब्याज दरों में लंबे समय तक विराम रहने का अपना अनुमान बरकरार रखा है।

महंगाई के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया कि जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 4.45 प्रतिशत रही, जो बाजार के अनुमानों के अनुरूप थी। वहीं आयातित महंगाई में भी नरमी दर्ज की गई और यह जून 2026 के 8.1 प्रतिशत से घटकर जुलाई में 7.3 प्रतिशत पर आ गई।

हालांकि रिपोर्ट का अनुमान है कि अगस्त में महंगाई बढ़कर करीब 4.7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इसके अलावा अक्टूबर और नवंबर के दौरान यह कुछ समय के लिए 6 प्रतिशत के ऊपर भी जा सकती है। इसके बाद वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही में महंगाई फिर घटकर लगभग 5 प्रतिशत के आसपास आने की संभावना है।

रिपोर्ट में मानसून की स्थिति को भी सकारात्मक बताया गया है। जून में लगभग 40 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज होने के बावजूद जुलाई में अच्छी बारिश और अगस्त में सामान्य वर्षा के कारण देशव्यापी वर्षा घाटा घटकर करीब 13 प्रतिशत रह गया है। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) की स्थिति भी चल रहे अल नीनो प्रभाव के कुछ नकारात्मक असर को कम करने में मदद कर सकती है। इससे कृषि उत्पादन और खाद्य आपूर्ति को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

यूरोप में बढ़ेगा जंगल की आग का खतरा, सदी के अंत तक 39 फीसदी अधिक क्षेत्र जलने का अनुमान

नई दिल्ली। यूरोप के कई देश जंगल की आग में झुलस रहे हैं। आने वाले दशकों में यूरोप के जंगलों में आग का खतरा और गंभीर हो सकता है और इसकी आशंका गुरुवार को प्रकाशित एक स्टडी में की गई है। जिसके मुताबिक वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करने के बेहतर परिदृश्य में भी सदी के अंत तक यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र करीब 39 फीसदी बढ़ सकता है।

ग्लोबल चेंज बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, अगर वैश्विक तापमान वृद्धि को करीब 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर लिया जाता है, तब भी गर्म और शुष्क मौसम की बढ़ती अवधि जंगलों को आग के प्रति अधिक संवेदनशील बनाएगी। तापमान बढ़ने के साथ मिट्टी और वनस्पतियों में नमी कम होगी, जबकि तेज हवाएं आग को तेजी से फैलाने में मदद करेंगी।

सबसे खराब स्थिति में तस्वीर और भयावह हो सकती है। यदि सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि 3.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है, तो यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र मौजूदा स्तर की तुलना में लगभग तीन गुना हो सकता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, मौजूदा जलवायु नीतियों के आधार पर दुनिया करीब 2.6 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि की राह पर है। ऐसे में जंगल की आग का बढ़ता खतरा यूरोप के लिए भविष्य की नहीं, बल्कि तत्काल ध्यान देने वाली चुनौती बन गया है।

अध्ययन के प्रमुख लेखक और पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के शोधकर्ता माइक बिलिंग ने कहा कि बेहतर वन प्रबंधन और प्रभावी अग्निशमन व्यवस्था से आग से होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि ऊंचे कार्बन उत्सर्जन के बीच केवल आग बुझाने की क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा।

अध्ययन में यह भी बताया गया है कि दशकों तक जंगलों में आग को पूरी तरह दबाने की नीतियों के कारण सूखी वनस्पति और अन्य ज्वलनशील सामग्री जमा होती गई है। इससे अब कम संख्या में लगने वाली आग भी बड़े और बेहद विनाशकारी 'मेगा-फायर' का रूप ले सकती है।

यूरोप इस खतरे का सामना इस साल पहले ही कर रहा है। 2026 के अग्निकाल में यूरोपीय संघ में छह लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि आग की चपेट में आ चुकी है। ग्रीस, स्पेन, फ्रांस, क्रोएशिया समेत कई देशों में जंगल की आग ने इस समय तक के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस चुनौती से निपटने के लिए जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण और बेहतर जंगल प्रबंधन, दोनों पर एक साथ काम करना होगा। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती के साथ शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सूखी वनस्पति का प्रबंधन और अग्निशमन क्षमता बढ़ाना जरूरी होगा।

दक्षिण कोरिया: लगभग आधे कर्मचारियों को नहीं मिल पा रही पैरेंटल लीव, सर्वे में खुलासा

सोल। पिछले साल (2025) दक्षिण कोरिया से एक ऐसी खबर आई जो इस देश के लिए राहत भरी थी। आंकड़ों में पैरेंटल लीव की कहानी थी। देश ने कहा कि बर्थरेट बढ़ने की वजह से 2024 मेंआंकड़ा बढ़ा है। जन्मदर में 2023 के मुकाबले 3.6 प्रतिशत की वृद्धि थी। सरकार ने अपनी पीठ थपथपाते हुए कहा कि ऐसा उसकी पॉलिसी की वजह से संभव हो पाया है। लेकिन 2026 में एक सर्वे सरकारी दावों की हवा निकालता है।

ये बताता है कि दक्षिण कोरिया में कामकाजी लोगों के लिए मातृत्व और पैरेंटल लीव (बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश) का लाभ उठाना आसान नहीं है। एक नए सर्वेक्षण में सामने आया है कि देश के करीब आधे कर्मचारी जरूरत पड़ने पर भी स्वतंत्र रूप से पैरेंटल लीव या बच्चों की देखभाल के लिए कम कार्य घंटे की सुविधा का उपयोग नहीं कर पाते।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह सर्वे 1 जून से 9 जून के बीच 19 वर्ष या उससे अधिक आयु के 1,000 कार्यालय कर्मचारियों पर किया गया। सर्वेक्षण गैपजिल 119 नामक नागरिक संगठन की ओर से कराया गया, जो कार्यस्थलों पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए काम करता है। इसे ग्लोबल रिसर्च एजेंसी ने संचालित किया।

सर्वे के अनुसार, 46.7 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर भी स्वतंत्र रूप से पैरेंटल लीव नहीं ले सकते। यह आंकड़ा बताता है कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई कर्मचारियों को कार्यस्थल पर ऐसी सुविधाओं का लाभ लेने में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) कर्मचारियों की स्थिति स्थायी कर्मचारियों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। 62.3 प्रतिशत संविदा कर्मचारियों ने कहा कि वे पैरेंटल लीव लेने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं, जबकि स्थायी कर्मचारियों में यह आंकड़ा 36.3 प्रतिशत रहा।

कंपनी के आकार के आधार पर भी बड़ा अंतर देखने को मिला। पांच से कम कर्मचारियों वाली छोटी कंपनियों में 68 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें पैरेंटल लीव लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं 300 या उससे अधिक कर्मचारियों वाली बड़ी कंपनियों में यह प्रतिशत घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया।

सबसे चिंताजनक स्थिति महिला संविदा कर्मचारियों की रही। इस वर्ग की 70.2 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वे स्वतंत्र रूप से पैरेंटल लीव का उपयोग नहीं कर पातीं।

सर्वे में यह भी पाया गया कि 41 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि वे मातृत्व अवकाश (मैटरनिटी लीव) का भी खुलकर उपयोग नहीं कर सकते। इसके विपरीत, पुरुष कर्मचारी और वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर कार्यरत लोग (जो आमतौर पर इन सुविधाओं का कम उपयोग करते हैं) ने अपेक्षाकृत अधिक संख्या में कहा कि वे मातृत्व और पैरेंटल लीव दोनों का स्वतंत्र रूप से लाभ उठा सकते हैं।

गैपजिल 119 का कहना है कि कार्यस्थल पर ये नीतियां काफी हद तक कंपनी के आकार, रोजगार की प्रकृति, वेतन स्तर और अन्य कार्य परिस्थितियों पर निर्भर करती है। संगठन ने जोर देकर कहा, 'ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है, जहां कर्मचारी बिना किसी दबाव या भेदभाव के मातृत्व और पैरेंटल लीव का उपयोग कर सकें। योनहाप ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा कि अगर कर्मचारियों को परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने के लिए पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा, तो इसका असर न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन पर पड़ेगा, बल्कि देश की कार्य उत्पादकता और जन्म दर जैसी सामाजिक चुनौतियों पर भी लंबे समय तक प्रभाव पड़ सकता है।

इंग्लैंड: टीबी से मौत को लेकर स्टडी में नया खुलासा, समय पर पहचान न होने से हर सप्ताह जा रही एक शख्स की जान

लंदन । इंग्लैंड में टीबी से मौत को लेकर एक नया खुलासा किया गया है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि इंग्लैंड में हर सप्ताह एक व्यक्ति की तपेदिक (टीबी) का समय पर पता न चल पाने के कारण मौत हो जाती है। ऐसे मामलों में बीमारी का पता केवल मृत्यु के बाद (पोस्टमार्टम के दौरान) चलता है, जिससे मरीज को इलाज का अवसर ही नहीं मिल पाता। यह शोध जर्नल थोरेक्स में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के पुरुषों में मृत्यु के बाद टीबी की पहचान हो पाई। इससे संकेत मिलता है कि स्वास्थ्यकर्मी इन मरीजों में टीबी की आशंका को लेकर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि मृत्यु के बाद टीबी का पता चलना एक 'नेवर इवेंट' माना जाना चाहिए, यानी ऐसी घटना जो किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए और जिसकी तत्काल जांच होनी चाहिए। उन्होंने इसे 'निदान में सबसे बड़ी देरी' बताया। इंग्लैंड में टीबी के मामलों की दर पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। वर्ष 2024 में प्रति एक लाख आबादी पर 9.4 मामले दर्ज किए गए, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निर्धारित 'कम संक्रमण वाले देश' की सीमा के बेहद करीब है।

मीडिया आउटलेट द गार्डियन के मुताबिक, आमतौर पर इंग्लैंड में टीबी के अधिकांश मरीज विदेश में जन्मे होते हैं और उनकी औसत आयु 36 वर्ष होती है। लेकिन थोरेक्स जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद जिन लोगों में टीबी की पहचान हुई, वे ज्यादातर ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के थे। अध्ययन की सह-लेखिका और लिवरपूल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट की रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. एलेनोर मॉर्गन के अनुसार, 'जब टीबी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, तब हमें हर मरीज के बारे में यह सवाल पूछते रहना चाहिए 'क्या यह टीबी हो सकती है?' भले ही वह सामान्य जोखिम वाले समूह में न आता हो। अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद टीबी की पहचान उन लोगों में अधिक हुई जो लंदन के बाहर रहते थे और जिनका शराब या नशीले पदार्थों के सेवन का इतिहास था। इसके अलावा, चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में भी जोखिम अधिक पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका कारण उनका अपरिपक्व प्रतिरक्षा तंत्र, सामान्य जैसे दिखने वाले लक्षण और छोटे बच्चों से जांच के लिए नमूने लेना कठिन होना हो सकता है। टीबी आज भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारी बनी हुई है। वर्ष 2024 में लगभग 12.3 लाख लोगों की मौत टीबी से हुई, जबकि 1.07 करोड़ लोग इस बीमारी से संक्रमित हुए। हालांकि, टीबी रोकथाम योग्य और पूरी तरह इलाज योग्य बीमारी है। विशेष एंटीबायोटिक दवाओं से इसका उपचार संभव है, और हाल के वर्षों में नई दवाओं की मदद से, यहां तक कि दवा-प्रतिरोधी टीबी के इलाज की अवधि भी काफी कम हुई है।

मिडिल एज में तीन चीजों पर नियंत्रण से 13 साल तक टल सकता है डिमेंशिया : अध्ययन

नई दिल्ली। मिडिल एज में उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान को अगर नियंत्रित रखा तो तय है कि डिमेंशिया की शुरुआत को औसतन 13 वर्ष तक टाला जा सकता है। यह दावा एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में किया गया है।

अमेरिकी मेडिकल जर्नल 'न्यूरोलॉजी' में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 12,400 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का लगभग 26 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों की औसत आयु 56 वर्ष थी। फॉलो अप पीरियड के दौरान 3,000 से अधिक प्रतिभागियों में डिमेंशिया बढ़ा। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मिडिल एज के दौरान उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान जैसे तीनों जोखिम कारक मौजूद नहीं थे, वे औसतन 30.1 वर्ष तक डिमेंशिया से मुक्त रहे। वहीं, जो इन्हें नियंत्रित नहीं कर पाए, उनमें डिमेंशिया-मुक्त अवधि केवल लगभग 17 वर्ष रही। इस प्रकार दोनों समूहों के बीच करीब 13 वर्षों का अंतर दर्ज किया गया।

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और अमेरिका के एनवाईयू लैंगोन हेल्थ से जुड़े डॉ. जोसेफ कोरेश ने कहा कि डिमेंशिया की प्रक्रिया लक्षण सामने आने से कई वर्ष पहले ही शुरू हो जाती है। ऐसे में मिडिल एज में हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करना मस्तिष्क के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि धूम्रपान ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को बढ़ाकर मस्तिष्क कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इन जोखिमों को कम करने से संज्ञानात्मक क्षमता लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है।

हालांकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि डिमेंशिया को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, क्योंकि उम्र और आनुवंशिक कारक इसके प्रमुख जोखिम बने रहते हैं। फिर भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर, रक्तचाप और रक्त शर्करा को नियंत्रित रखकर तथा धूम्रपान से दूरी बनाकर डिमेंशिया के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इससे पहले लैंसेट आयोग की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि डिमेंशिया के लगभग 45 प्रतिशत मामलों को जीवनशैली और अन्य संशोधित किए जा सकने वाले जोखिम कारकों पर समय रहते नियंत्रण कर रोका या कई वर्षों तक टाला जा सकता है।

ट्रंप की 'इकोनॉमिक डी-डे' चेतावनी: चीन के अलावा ईरान के वो कारोबारी साझेदार कौन जिन पर नजर?

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ सैन्य दबाव के बाद अब अमेरिका ने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' के तहत आर्थिक मोर्चे पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ कारोबार या वित्तीय संबंध बनाए रखने वाले साझेदारों को गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने इसे 'इकोनॉमिक डी-डे' करार देते हुए ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के अभियान का संकेत दिया है।अमेरिका-ईरान संघर्ष अपने छठे महीने की ओर बढ़ रहा है और सैन्य कार्रवाई के बाद अब वाशिंगटन का जोर ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने पर है। अमेरिकी अभियान में तेल की तस्करी, वित्तीय लेनदेन और ईरान की आय के दूसरे स्रोतों को निशाना बनाने की तैयारी है।

इस रणनीति का सबसे बड़ा असर चीन पर पड़ सकता है। जो ईरान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और उसके तेल का सबसे बड़ा खरीदार भी। ऐसे में यदि अमेरिका ने ईरानी तेल खरीदने वाली चीनी कंपनियों, बैंकों या शिपिंग नेटवर्क पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तो इसका सीधा असर अमेरिका-चीन संबंधों पर पड़ सकता है। यही ट्रंप की नई आर्थिक रणनीति का सबसे संवेदनशील मोर्चा हो सकता है।

अमेरिका पहले भी ईरानी तेल की खरीद और उसके परिवहन से जुड़े चीन स्थित रिफाइनरी तथा शिपिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा चुका है। अब ट्रंप की ताजा चेतावनी से संकेत मिल रहा है कि वाशिंगटन ऐसे प्रतिबंधों का दायरा और बढ़ा सकता है।

हालांकि, चीन अकेला देश नहीं है जिस पर अमेरिकी दबाव बढ़ सकता है। युद्ध शुरू होने से पहले चीन के अलावा भारत, तुर्की, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और जापान भी ईरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में शामिल थे। भारत के लिए यह स्थिति खास तौर पर महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली और तेहरान के बीच लंबे समय से ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक संपर्क रहे हैं। हालांकि फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पर अमेरिकी कार्रवाई तय है। ट्रंप की चेतावनी का वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका 'ईरान की मदद' या उसके साथ कारोबार की सीमा किस तरह तय करता है। इस बीच संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के साथ व्यापार और वित्तीय लेनदेन रोक दिया है। इससे तेहरान के लिए एक महत्वपूर्ण कारोबारी और वित्तीय रास्ता और कमजोर हुआ है। अमेरिकी अभियान का एक अहम हिस्सा ईरान के तेल निर्यात को रोकना है।

होर्मुज नहीं चीन की नजर आर्कटिक पर, क्या 'आइस सिल्क रोड' भारत के लिए भी जरूरी?

पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट का संकट वैश्विक व्यापार के लिए जिस खतरे को सामने लाया है, चीन ने जवाब में एक नए समुद्री रास्ते की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। बीजिंग ने रूस के उत्तरी तट से गुजरने वाले नॉर्दर्न सी रूट (एनएसआर) पर नियमित कंटेनर सेवा शुरू कर दी है। आर्कटिक की बर्फ के बीच खुल रहा यह रास्ता चीन-यूरोप व्यापार के लिए नया विकल्प बन सकता है। लेकिन भारत के लिए इसकी कहानी सिर्फ व्यापार की नहीं, बल्कि बदलते समुद्री शक्ति संतुलन की भी है।

ब्रिटिश और अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, चीन की शिपिंग कंपनी सी लिजेंड ने निंगबो-झोउशान से ब्रिटेन के फेलिक्स्टोवे तक एनएसआर के रास्ते करीब 18 दिन की यात्रा सेवा शुरू की है। इसकी तुलना में स्वेज नहर से यही यात्रा 40 दिन से ज्यादा ले सकती है। लगभग 5,500 किलोमीटर लंबा यह मार्ग गर्मियों में समुद्री बर्फ कम होने के कारण पहले की तुलना में ज्यादा समय तक नौवहन के लिए खुला रह रहा है।

'से भारत के लिए इस घटनाक्रम का महत्व शुरू होता है। चीन वर्षों से आर्कटिक को अपनी 'पोलर सिल्क रोड' का हिस्सा बनाने की कोशिश कर रहा है। 2017 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन और रूस के बीच आर्कटिक शिपिंग मार्ग विकसित करने की बात कही थी। अब पहली नियमित व्यावसायिक सेवा शुरू करके बीजिंग उस रणनीति को जमीन पर उतारने की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

भारत के लिए चिंता की पहली वजह यह है कि चीन अपने यूरोपीय व्यापार के लिए उन समुद्री मार्गों पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है जो भू-राजनीतिक संकट की चपेट में आ सकते हैं। होर्मुज और स्वेज जैसे मार्गों में तनाव, युद्ध या किसी भी तरह की नाकेबंदी पूरी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकती है। आर्कटिक का रास्ता अभी इसका विकल्प नहीं बना है, लेकिन चीन ने यह दिखा दिया है कि वह भविष्य के लिए वैकल्पिक रास्तों पर निवेश करने को तैयार है।

भारत भी इस बदलाव से अनजान नहीं है। नई दिल्ली की आर्कटिक नीति (17 मार्च 2022 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने लॉन्च किया था) अब केवल जलवायु और वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं रही। ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्ग, खनिज संसाधन और रूस के साथ कनेक्टिविटी इसके महत्वपूर्ण हिस्से बन चुके हैं। भारत 2008 से आर्कटिक में वैज्ञानिक उपस्थिति रखता है और अब नॉर्दर्न सी रूट को आर्थिक तथा रणनीतिक दृष्टि से भी देख रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत के पास आर्कटिक तक पहुंच बनाने का अपना रास्ता भी है। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर को भविष्य में नॉर्दर्न सी रूट से जोड़ने की संभावना पर काम हो रहा है। 2025 में भारत-रूस व्यापार मंच का आयोजन नई दिल्ली में हुआ था। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच एनएसआर पर सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति भी बनी थी। भारत और रूस ने एनएसआर पर सहयोग बढ़ाने के लिए कार्यसमूह भी बनाया है। दोनों देशों के बीच ध्रुवीय जल में चलने वाले जहाजों के विशेषज्ञों के प्रशिक्षण और आइसब्रेकर निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा हुई है।

इसका अर्थ यह है कि भारत चीन की 'आइस सिल्क रोड' का केवल दर्शक नहीं है। भारत के लिए एनएसआर रूस के आर्कटिक क्षेत्रों को भारतीय बंदरगाहों से जोड़ने वाला अतिरिक्त रास्ता बन सकता है। पूर्वी समुद्री गलियारे के जरिए भारतीय बंदरगाहों को व्लादिवोस्तोक से जोड़कर वहां से आर्कटिक मार्ग तक पहुंच बनाने की परिकल्पना की जा रही है।

इसका एक बड़ा रणनीतिक लाभ ऊर्जा के क्षेत्र में हो सकता है। रूस के आर्कटिक क्षेत्र में तेल, गैस और महत्वपूर्ण खनिजों के बड़े भंडार हैं। भारत पहले से रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा आयात करता है। ऐसे में आर्कटिक संसाधनों तक पहुंच के लिए रूस के साथ सहयोग भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकता है।

लेकिन चीन के मुकाबले भारत के लिए एनएसआर का आर्थिक लाभ उतना सीधा नहीं है। चीन की भौगोलिक स्थिति उसे आर्कटिक मार्ग का ज्यादा स्वाभाविक उपयोगकर्ता बनाती है। भारत से यूरोप जाने वाले जहाजों के लिए एनएसआर हमेशा पारंपरिक समुद्री मार्ग से बेहतर विकल्प नहीं होगा। ऊंची परिचालन लागत, बर्फ में चलने वाले विशेष जहाजों की कमी, बीमा की कठिनाइयां और सीमित नौवहन मौसम इसके सामने बड़ी बाधाएं हैं।

आर्कटिक की पर्यावरणीय चुनौती भी कम गंभीर नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार तेल रिसाव की स्थिति में वहां राहत और सफाई अभियान बेहद मुश्किल हो सकते हैं। अत्यधिक ठंड, दूरदराज के इलाके और सीमित लॉजिस्टिक ढांचा किसी दुर्घटना को लंबे समय तक चलने वाली पर्यावरणीय त्रासदी में बदल सकता है। ब्लैक कार्बन जैसे प्रदूषक आर्कटिक की बर्फ पर जमकर सूर्य की गर्मी के अवशोषण को बढ़ा सकते हैं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और तेज हो सकती है।

इसके अलावा एनएसआर का बड़ा हिस्सा रूस के नियंत्रण में है। रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम मार्ग पर नौवहन परमिट और आइसब्रेकर सहायता की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों ने इस मार्ग को और अधिक राजनीतिक बना दिया है। किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए बचाव और बीमा से जुड़े सवाल भी चुनौती बन सकते हैं।

चीन ने इस दिशा में पहला नियमित व्यावसायिक कदम उठा दिया है। भारत के लिए चुनौती अब चीन से आगे निकलने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि बदलते समुद्री नक्शे में वह पीछे न छूटे।

प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास, बोलीं- 'फिल्म से कहीं ज्यादा यादें लेकर लौटी हूं'

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है।

> "कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खूशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा।

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है।

प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा. '

फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।''

उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''जब हमने आखिरकार फिल्म की शूटिंग पूरी की तो मुझे एहसास हुआ कि हम इस सफर से फिल्म के अलावा भी कितना कुछ अपने साथ लेकर जा रहे हैं। हमने बहुत सारे सीन शूट किए, हजारों यादें बनाईं, और साथ में हंसी के बहुत सारे पल बिताए। यह उन यात्राओं में से एक थी, जहां जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, वे आपकी यादों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। यह सच में बहुत खूबसूरत सफर रहा।''

प्रिया ने फिल्म के निर्माता नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए मैं दोनों की आभारी हूं। राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने संगीत को भावनात्मक और मजबूत बनाया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म के किरदारों और उसमें दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।''

यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'हस्तिनापुर के वीर' में जरासंध बने आभास मेहता, बोले- महाभारत का हिस्सा बनने का मौका नहीं छोड़ना चाहता था

विश्व केसरी ■

मुंबई। 'इस प्यार को क्या नाम दूं?', 'तू सूरज मैं सांझ पियाजी' और 'हम रहें ना रहें हम' जैसे शो में नजर आ चुके अभिनेता आभास मेहता अब नए शो से जुड़ गए हैं। वह पौराणिक शो 'हस्तिनापुर के वीर' में राजा जरासंध का किरदार निभाएंगे। इस किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि इस भूमिका को स्वीकार करने की पहली वजह जरासंध का किरदार नहीं, बल्कि महाभारत की दुनिया का हिस्सा बनने का मौका था।

आभास मेहता ने कहा, ''अगर मैं यह कहूं कि मैं सिर्फ जरासंध के किरदार की वजह से शो से जुड़ा हूं, तो यह सही नहीं होगा। जब मुझे 'हस्तिनापुर के वीर' का ऑफर मिला, तब मुझे जरासंध की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। लेकिन जब मुझे पता चला कि शो महाभारत की दुनिया से जुड़ा है, तो मेरी दिलचस्पी बढ़ गई। मैं इससे पहले महाभारत से जुड़ी किसी कहानी का हिस्सा नहीं रहा था। इसलिए मैं इस मौके को जाने नहीं देना चाहता था। मैं जल्द ही राजा जरासंध की भूमिका के जरिए दर्शकों के सामने आने वाला हूं।''

आभास मेहता पहले भी पौराणिक कहानियों का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनके पौराणिक सफर की शुरुआत 'देवों के देव...महादेव' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'सिंहासन बत्तीसी' में बेताल का किरदार निभाया। यह भूमिका उनके लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि बेताल की कहानियां उन्होंने बचपन से सुनी थीं।

इसके बाद आभास 'महाकाली - अंत ही आरंभ है' का हिस्सा बने। उन्होंने कहा, ''यह मेरे पौराणिक शो के सफर का सबसे अच्छा अनुभव रहा। इस शो में मैंने एक सुपर विलेन की भूमिका निभाई थी। मेरे लिए यह किरदार काफी मुश्किल था, क्योंकि इसमें मुझे सिर्फ अभिनय पर ही नहीं, बल्कि पूरे लुक और गेटअप पर भी काफी काम करना पड़ा था। इसके बाद मैंने 'लक्ष्मी नारायण-सुख सामर्थ्य संतुलन' में काम किया, जो भगवान विष्णु की कहानी पर आधारित था।''

पौराणिक शो को लेकर आभास का मानना है कि इन कहानियों के जरिए कलाकार ज्यादा खुलकर अभिनय करने का मौका मिलता हैं, क्योंकि इसमें किरदारों को बड़े और प्रभावशाली अंदाज में पेश किया जाता है लेकिन इस आजादी के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

आभास ने कहा, ''महाभारत की कहानियां लोगों के लिए सिर्फ टीवी शो नहीं हैं।

सोनम कपूर के बेटे वायु का 4वां बर्थडे, दादी प्रिया आहूजा ने लिखा इमोशनल पोस्ट

मुंबई। अभिनेत्री सोनम कपूर गुरुवार को बड़े बेटे वायु आहूजा का जन्मदिन मना रही है। इस मौके पर अभिनेत्री की सास प्रिया आहूजा ने जन्मदिन की जमकर शुभकामनाएं दी।

अभिनेत्री की सास प्रिया आहूजा ने इंस्टाग्राम पर वायु की कुछ यादगार तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट के जरिए प्रिया ने अपने इमोशन्स जाहिर किए। उन्होंने लिखा, 'हमारे प्यारे से वायु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, चार साल की धूप, हंसी, शरारत और जादू जैसी खुशियां। तुमने हमारी जिंदगी में इतनी खुशियां भर दी है। तुम्हें सबसे प्यारा और सबसे समझदार बच्चा बनते देखना हमारी सबसे बड़ी खुशी है तुम्हारी प्यारी मुस्कान हमेशा खिली रहे, तुम्हारा नन्हा दिल हमेशा प्यार से भरा रहे और तुम्हारी आंखों की वो चमक कभी कम न हो। उन्होंने आगे लिखा, 'भगवान करे तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों, हंसी और प्यार से भरी रहे। हम तुमसे शब्दों से भी ज्यादा प्यार करते हैं, हमारे छोटे से सितारे। तुम भले ही छोटे हो, पर तुमने हमारे दिल में सबसे बड़ी जगह बना ली है। ढेर सारा प्यार, गले लगाना और दुआएं हमेशा तुम्हारे लिए।'

बता दें कि सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने मई 2018 में मुंबई में शादी की थी। उनकी शादी में बॉलीवुड के बड़े-बड़े सितारे शामिल हुए थे। शादी के चार साल बाद 20 अगस्त 2022 में कपल ने बेटे वायु का स्वागत किया और 2026 की शुरुआत में, सोनम और आनंद दूसरी बार माता-पिता बने। उनके घर फिर से एक बेटे ने जन्म लिया।

सोनम पिछले काफी समय से अभिनय की दुनिया से दूर हैं लेकिन वे फैशन शो में अक्सर जाती रहती हैं और इन दिनों भी वे कई कार्यक्रमों में गई थीं।

आम्रपाली दुबे की इंस्टाग्राम फैमिली हुई 60 लाख की, फैंस को कहा- 'तहे दिल से धन्यवाद'

विश्व केसरी ■

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे फैंस के बीच अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया सक्रियता के लिए भी जानी जाती हैं। अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक नया मुकाम हासिल कर लिया है।

दरअसल, इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 60 लाख फॉलोअर्स हो गए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने खुशी एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे 'तितली शहर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ लिपसिंक करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने फैंस को धन्यवाद देते हुए लिखा, '60 लाख की मजबूत इंस्टाग्राम फैमिली बन गई है। सभी को इतना प्यार देने के लिए तहे दिल से धन्यवाद।'

अभिनेत्री आम्रपाली इन दिनों सोशल मीडिया बयानों और जियो हॉटस्टार शो 'भोजपुरी बवाल' पर अपने द्वारा दिए गए बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने शो मे कहा कि वह बिना शादी किए मां बनना चाहती हैं, जिस पर उनके परिवार ने ऐतराज जताया है। हालांकि, बाद में उनकी मां इस बात से राजी हो गई।

इसके साथ ही शो के प्रोमो में दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ उनके रिश्तों और गॉसिप को लेकर भी नोंकझोक और भावुक पल देखने को मिले हैं। दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे ने साल 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' से साथ काम करना शुरू किया था और करीब 35 फिल्मों में पति-पत्नी का किरदार निभाया है।

फिल्मों में लगातार साथ काम करने और शादी के सीन्स होने के कारण अक्सर दोनों की गुप्त शादी या अफेयर की खबरें आती रहती हैं, जिन्हें दोनों ने हमेशा खारिज किया है। हालांकि, आम्रपाली ने स्पष्ट भी किया है कि निरहुआ का परिवार उनके अपने परिवार जैसा है और वह उनके बच्चों के काफी करीब हैं, लेकिन उनके बीच पेशेवर रिश्ते से बढ़कर कुछ नहीं है।

हाल ही में अभिनेत्री काजल राघवानी ने शो भोजपुरी बवाल में दोनों की रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही, काजल राघवानी ने दोनों के रिश्ते को लेकर बात की थी।

रणदीप हुड्डा के बर्थडे पर लिन लैशराम ने लुटाया प्यार, बोलीं- आपकी मासूमियत हमेशा बनी रहे

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता रणदीप हुड्डा गुरुवार को 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 20 साल से ज्यादा लंबे फिल्मी सफर में रणदीप ने कई तरह के किरदार निभाए हैं और अपनी अलग पहचान बनाई है। जन्मदिन पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री लिन लैशराम ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर कीं, जिनमें रणदीप अपनी बेटी न्योमिका और अपने पालतू जानवरों के साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ लिन ने प्यार भरा मैसेज भी लिखा।

लिन ने लिखा, ''न्योमिका के पापा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपका आइसक्रीम का बाउल हमेशा भरा रहे और तुम्हें कभी कैलोरी गिनने की जरूरत न पड़े। जंगलों में और भी बहुत सारे घर हों, घूमने के लिए खेत हों और दुनिया के हर कोने में एडवेंचर हों। लिन ने अपने पोस्ट में लिखा, ''आप कभी अपनी खूबसूरत मासूमियत न खोएं। आपके अंदर जो जिज्ञासा, उत्साह और अलग अंदाज है, वही आपको खास बनाता है। मेरी कामना है कि आपकी जिंदगी अच्छे दोस्तों, खुशहाल परिवार, हंसी और ढेर सारे प्यार से भरी रहे।''

अपने मैसेज के आखिर में लिन ने दोनों की अब तक की यात्रा और साथ में बनाई गई यादों को याद किया। उन्होंने लिखा, ''हम अब तक जिन जगहों पर गए हैं और वहां जो यादें बनाई हैं, वे मेरे लिए खास हैं। अभी कुछ जगह ऐसी है, जहां हमारा घूमना बाकी है। आई लव यू।''

रणदीप और लिन की प्रेम कहानी भी काफी दिलचस्प है। दोनों की पहली मुलाकात दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप 'मोटले' में हुई थी। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे को जानने लगे और धीरे-धीरे उनके बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। कोरोना महामारी के दौरान जब देश में लॉकडाउन लगा था, तब दोनों ने साथ रहना शुरू किया।

इसके बाद रणदीप और लिन ने 29 नवंबर 2023 को शादी कर ली। दोनों ने मणिपुर में पारंपरिक मैतेई रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी की तस्वीरों में दोनों पारंपरिक कपड़ों में नजर आए थे। उनकी शादी के बाद उनकी जिंदगी में एक और बड़ी खुशी आई, जब दोनों माता-पिता बने।

मार्च में रणदीप और लिन की बेटी न्योमिका का जन्म हुआ। रणदीप ने सोशल मीडिया के जरिए बेटी के जन्म की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी का जन्म उनके पिता के जन्मदिन के दिन हुआ।

दिल्ली की सामान्य लड़की से बॉलीवुड-साउथ की स्टार बनीं भूमि चावला, संघर्ष से मिली पहचान

विश्व केसरी ■

मुंबई। सिनेमा की दुनिया में अपने चेहरे की संजीदगी और मासूमियत भरी मुस्कान के साथ अभिनेत्री भूमि चावला ने पहली फिल्म के साथ हिंदी सिनेमा में धमाल मचा दिया था। फिल्म 'तेरे नाम' में उनके अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरा छाप छोड़ा था।

अभिनेत्री ने हिंदी से लेकर साउथ सिनेमा तक बड़े-बड़े स्टार्स के साथ काम करके अपनी अलग पहचान बनाई है। अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले ही घर-घर में नाम बना चुकी थी। दरअसल, अभिनेत्री ने मॉडलिंग के दिनों में फेयर क्रीम में विज्ञापन के तौर पर काम किया था, जिसके बाद वे घर-घर में मशहूर हो गई थीं और यही विज्ञापन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बना था।

21 अगस्त 1978 को दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में जन्मी अभिनेत्री भूमि चावला सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती थीं। उनके पिता कर्नल

अहंकार चावला भारतीय सेना में अधिकारी थे और उनकी माता का नाम बाली है। उनके परिवार में एक भाई और बहन भी हैं।

उनकी शुरुआती स्कूली शिक्षा दिल्ली में हुई और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज लाइफ में अभिनेत्री को काफी कॉम्प्लीमेंट्स मिलते थे। इन सब से प्रभावित हो कर उन्होंने एक्टिंग और मॉडलिंग की दुनिया में किस्मत आजमाने का मन बनाया था। पढ़ाई पूरी करने के बाद भूमिका ने मुंबई का रुख किया जिसके बाद उन्हें कमर्शियल फिल्म्स और म्यूजिक वीडियो एल्बम्स के ऑफर मिलने लगे।

इसी दौरान भूमिका को जी टीवी पर प्रसारित टीवी सीरियल हिप हिप हुर्रे में काम मिल गया था। सीरियल हिप हिप हुर्रे ने भूमिका को उस वक्त का एक चर्चित चेहरा बना दिया था। इसके अलावा, भूमि चावला ने कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया था।

उन्होंने साल 2000 में तेलुगु फिल्म 'युवकुडु' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की। वर्ष 2001 में आई तेलुगु फिल्म 'कुशी' उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

भारत-जापान के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर सहमति, रक्षा मंत्रियों ने समझौते पर किए हस्ताक्षर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की।

बैठक में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग से व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र की जानकारी साझा करना शामिल है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रमुख आधार हैं। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा, नौसेना सहयोग, रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी, सैन्य अभ्यास तथा रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने जुलाई 2026 में दोनों देशों के नेताओं की ओर से जारी संयुक्त बयान को याद किया। उन्होंने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर एक-दूसरे के आकलन साझा करने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। दोनों ने बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का भी विरोध किया। इसके अलावा खोज एवं बचाव तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा।

दोनों पक्ष समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे। संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान भी होगा। बंदरगाहों तथा रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। नौसैनिक जहाज निर्माण में सहयोग की संभावना को भी बढ़ाया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने समुद्री बारूदी सुरंगों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाने की बात कही।

दक्षिण कोरियाई सेना का दावा, 'प्योंगयांग ने 300 किलोमीटर की रेंज वाली मिसाइल दागी'

विश्व केसरी

सोल। कोरियाई प्रायद्वीप में समीकरण बदलते दिख रहे हैं। एक ओर जहां दक्षिण कोरिया संवाद की बात कर रहा है वहीं उत्तर कोरिया अपने रुख पर कायम है। आक्रामक नीति को कायम रखते हुए गुरुवार को प्योंगयांग ने ईस्ट सी (जापान सागर) की ओर एक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया कि इसकी रेंज 300 किलोमीटर की रही।

योनहाप ने दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से बताया कि सेना ने मिसाइल के दागे जाने का पता लगाया है। हालांकि, पहले इसे अज्ञात प्रोजेक्टाइल बताया गया था और यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसने कितनी दूरी तय की।

यह प्रक्षेपण ऐसे समय हुआ है जब कोरियाई प्रायद्वीप में सैन्य तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया ने इससे पहले 12 अगस्त को भी पूर्व दिशा में एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी।

इसके अलावा, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास को लेकर भी प्योंगयांग लगातार विरोध जता रहा है। उत्तर कोरिया इन अभ्यासों को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा और युद्ध की तैयारी करार देता रहा है।

नॉर्थ कोरिया की कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से योनहाप ने बताया कि बुधवार को किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सैन्य अभ्यास को लेकर किए जा रहे दावे पर संदेह जताते हुए कहा, 'हम इस बात पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी हैं, और यह उत्तर कोरिया के प्रति दुश्मनी का साफ संकेत है।'

उनके मुताबिक, 'सैन्य अभ्यासों का दायरा या अवधि कम करने से उनके उकसावे वाले और आक्रामक स्वभाव में कोई बदलाव नहीं आता।'

संक्षिप्त खबर

भारत की अफगानिस्तान को मदद जारी काबुल के हॉस्पिटल को भेजी मेडिकल सप्लाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली / काबुल। अफगानिस्तान को मानवीय सहायता देने की अपनी पहल जारी रखते हुए, भारत ने गुरुवार को काबुल के एक सरकारी अस्पताल को दवाइयों और मेडिकल सामान की खेप सौंपी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अफगानिस्तान के लोगों के साथ अपने लंबे और भरोसेमंद स्वास्थ्य सहयोग को आगे बढ़ाते हुए भारत ने काबुल के एक सरकारी अस्पताल को दवाइयां और मेडिकल सामान उपलब्ध कराया है।' यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारत लगातार अफगानिस्तान को मानवीय सहायता दे रहा है। इसमें जरूरी दवाइयां, राहत सामग्री और अन्य मदद शामिल है। इस सप्ताह की शुरुआत में नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले एक साल में अफगानिस्तान के साथ भारत की भागीदारी और सहयोग बढ़ा है। इसमें कूटनीतिक बातचीत, मानवीय सहायता और विकास से जुड़े कार्यक्रमों पर खास ध्यान दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत और अफगान लोगों के बीच लंबे समय से गहरे संबंध रहे हैं। पिछले एक साल में अफगानिस्तान के साथ हमारा जुड़ाव और मजबूत हुआ है।'

सीरिया में तुर्की की सैन्य मौजूदगी से बढ़ा तनाव, मोसाद प्रमुख ने की सीरियाई अधिकारी से बात

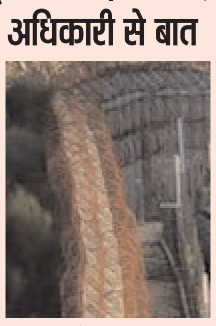

यरुशलम। इजरायल और तुर्की के बीच सीरिया को लेकर बढ़ते तनाव के बीच खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख रोमन गोफमैन ने पिछले हफ्ते सीरिया के विदेश मामलों के प्रमुख असद हसन अल-शिबानी से फोन पर बात की। इजरायल के सरकारी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक यह पहली बार है जब जून में रोमन गोफमैन के मोसाद प्रमुख बनने के बाद दोनों के बीच इस तरह का संपर्क हुआ है। बातचीत का मुद्दा सीरिया में तुर्की की बढ़ती सैन्य मौजूदगी था। हालांकि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने इस रिपोर्ट पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन नेतन्याहू ने अपनी लिकुड पार्टी द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि इजरायल सीरिया में तुर्की की ऐसी सैन्य बढ़ोतरी को बर्दाश्त नहीं करेगा जो इजरायल के लिए खतरा बने। मंगलवार को सीरिया के अबू अल-दुहूर हवाई अड्डे पर हुए इजरायली हमले का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'हमने अपना संदेश साफ कर दिया था। जाहिर है उन्होंने इसे ठीक से नहीं सुना, इसलिए हमने यह सुनिश्चित किया कि वे इसे बेहतर तरीके से समझें।' प्रधानमंत्री का कहना है कि यह हमला इसलिए किया गया, क्योंकि दमिश्क ने वहां तुर्की सेनाओं को तैनात करने की इजाजत दी है। वहीं तुर्की ने इस दावे को खारिज करते हुए इजरायल पर सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। मंगलवार सुबह तड़के इजरायली लड़ाकू विमानों ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया के इदलिब प्रांत में स्थित अबू अल-दुहूर सैन्य हवाई अड्डे के रनवे पर 8 हवाई हमले किए।

प्योंगयांग के पास 80-120 परमाणु हथियार होने का अनुमान : दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक ने गुरुवार को उत्तर कोरिया के पास मौजूद परमाणु हथियारों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के पास करीब 80 से 120 परमाणु हथियार हो सकते हैं। उनका ये आकलन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिए आंकड़े से ज्यादा है। ट्रंप ने इनकी संख्या 57 बताई थी।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, रक्षा मंत्री ने यह टिप्पणी संसद के सत्र के दौरान की। उनसे बुधवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया जिसमें उन्होंने दावा किया कि उत्तर कोरिया के पास '57 बेहद शक्तिशाली परमाणु हथियार' हैं। यह पहली बार है जब ट्रंप ने उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों की कोई विशिष्ट संख्या बताई है।

आन ने कहा, 'हम आमतौर पर मानते हैं कि (उत्तर कोरिया के पास) करीब 80 से 120 परमाणु हथियार हैं,' लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी निश्चित संख्या को जानकारी साझा करना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि ट्रंप के बयान से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया के परमाणु भंडार को लेकर दक्षिण कोरिया और अमेरिका के अनुमान में कुछ अंतर हो सकता है। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों की वास्तविक संख्या लंबे समय से अत्यधिक संवेदनशील और गोपनीय विषय रही है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर प्योंगयांग को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में मान्यता नहीं दी है। संसद में जब आन से पूछा गया कि क्या दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार रखने वाले देश के रूप में स्वीकार करता है, तो उन्होंने कहा, 'सोल ऐसा आधिकारिक तौर पर कभी स्वीकार नहीं कर सकता।' ट्रंप के बयान पर टिप्पणी करने से आन ने इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान का आकलन करना दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री के लिए उचित नहीं होगा।

आतंकवादियों को सूची से हटाकर उन्हें वैधता देने के लिए यूएनएससी का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए : भारत

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। आतंकवाद से निपटने के मामले में पाकिस्तान की भूमिका पर परोक्ष रूप से आलोचना करते हुए भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करने या सूची से हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इसे संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित नहीं होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी योजना पटेल ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली पर आयोजित खुली बहस के दौरान कहा, 'सुरक्षा परिषद में मौजूदगी का इस्तेमाल आतंकवादियों को सूची से हटाकर उन्हें वैधता प्रदान करने या बिना किसी वस्तुनिष्ठ मानदंड और पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य के केवल राजनीतिक विचारों के आधार पर अन्य संस्थाओं को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने परिषद की उन सहायक समितियों की स्थिति पर भी चिंता जताई, जो आतंकवाद और प्रतिबंधों से जुड़े मामलों को देखती हैं। परिषद के भीतर मतभेदों के कारण इन समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति अब तक नहीं हो सकी है, जिससे उनका कामकाज प्रभावित हो रहा है। आतंकवादियों को सूचीबद्ध या सूची से हटाने की प्रक्रिया तथा विभिन्न पैनलों के अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर लंबे समय से गोपनीयता बरती जाती रही है। इस वर्ष पाकिस्तान और चीन ने बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के दायरे में आने वाले आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध कराने का प्रयास किया था, लेकिन अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने इसे सफल नहीं होने दिया। सुरक्षा परिषद के निर्वाचित सदस्य पाकिस्तान ने उन कुछ आतंकियों और आतंकी संगठनों को प्रतिबंध सूची से हटाने की भी कोशिश की है, जिन्हें वह अपने यहां शरण देता है।

टोक्यो के नारिता एयरपोर्ट पर मलेशियाई एयरलाइंस के इंजन से निकला धुआं, रनवे बंद

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो के पास स्थित नारिता एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एक विमान के इंजन के पास काला धुआं दिखाई दिया। इस घटना के बाद संबंधित रनवे को जांच के लिए बंद कर दिया गया। यह जानकारी एक पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनएचके ने दी।

एनएचके के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10:40 बजे फायर विभाग को सूचना मिली कि एयरपोर्ट पर एक विमान के इंजन से काले धुएं जैसा कुछ निकलता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया कि यह विमान मलेशियाई एयरलाइंस का यात्री विमान था, जो उड़ान भरने के लिए रनवे पर आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान उसके इंजन में कुछ समस्या आ गई, जिसके कारण उड़ान रद्द करनी पड़ी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एनएचके ने बताया कि विमान में कुल 160 लोग सवार थे, जिनमें यात्री और क्रू सदस्य शामिल थे। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

नारिता एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि इस घटना के बाद रनवे 'ए' को बंद कर दिया गया है और उसकी जांच की जा रही है।

एनएचके की ओर से दिखाए गए वीडियो में सुबह करीब 11 बजे विमान रनवे पर खड़ा दिखाई दिया। उसके आसपास कई फायर इंजन और एंबुलेंस मौजूद थे, जबकि कर्मचारी स्थिति को संभालने में जुटे हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि घटना की वजह पता लगाने के लिए जांच जारी है।

इस बीच, एक अलग घटना में गुरुवार सुबह जापान के तोचिगी प्रांत के एक रेलवे स्टेशन पर ट्रैक की मरम्मत का काम कर रहे चार कर्मचारी एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। यह जानकारी एनएचके ने दी।

सर्जियो गोर की टिप्पणी से पाकिस्तान को लगी मिर्ची, जम्मू-कश्मीर पर छेड़ा पुराना बेसुरा राग

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर पर भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर की टिप्पणी के खिलाफ पाकिस्तान ने बुधवार को इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी (चार्जे डी अफेयर्स) को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, 'अमेरिका के राजदूत की जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर की गई कथित 'तथ्यात्मक रूप से गलत' टिप्पणियों पर विरोध पत्र सौंपा गया।'

बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर को 'भारत का हिस्सा' बताए जाने की टिप्पणी को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है, जिसका अंतिम निर्णय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और कश्मीरी जनता की आकांक्षाओं के अनुसार होना बाकी है। बयान के अनुसार, पाकिस्तान ने यह भी कहा कि अमेरिकी राजदूत का यह गैर-जिम्मेदाराना बयान जम्मू-कश्मीर विवाद पर अमेरिका के लंबे समय से चले आ रहे रुख के विपरीत है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की सर्वोच्चता के प्रति अमेरिका की घोषित प्रतिबद्धता से भी मेल नहीं खाता। हालांकि, गोर की टिप्पणी से बौखलाए पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर विवाद के समाधान के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की अमेरिका की पेशकश की सराहना की। साथ ही, सार्वजनिक बयान जम्मू-कश्मीर की विवादित स्थिति के अनुरूप देने का आग्रह किया।

अमेरिकी राजदूत की टिप्पणियों के खिलाफ यह विरोध पत्र पाकिस्तान की ओर से दर्ज किया गया एक औपचारिक कूटनीतिक विरोध है।

विदेश मंत्रालय ने संदेश में दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के भविष्य का फैसला स्थापित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया के तहत होना चाहिए, न कि किसी एकतरफा दावे के आधार पर।

इससे पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के अपने पहले दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका केंद्र शासित प्रदेश के लिए, जारी यात्रा संबंधी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू का कहर : किंग आइलैंड पर 28 पेंगुइन मृत मिले, एच5एन1 की जांच शुरू

विश्व केसरी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया राज्य के तट के पास एक द्वीप पर 28 पेंगुइन मृत पाए गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इन पक्षियों की मौत की जांच एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि के लिए की जाएगी।

तस्मानिया के प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण विभाग ने बताया कि निगरानी टीमों को बुधवार को किंग आइलैंड पर 28 पेंगुइन और तीन ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न पक्षी मृत मिले। यह द्वीप तस्मानिया के उत्तर-पश्चिमी तट से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, घटना नियंत्रण अधिकारी वेस फोर्ड ने कहा कि मृत पक्षियों के नमूने एच5एन1 वायरस की जांच के लिए भेज दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को इन पक्षियों को वहां से हटाया जाएगा, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। फोर्ड ने कहा, 'तस्मानिया के लोग यहां के वन्यजीवों, खासकर पेंगुइन, की बहुत परवाह करते हैं। इसलिए ऐसी खबरें समुदाय के लिए दुखद और परेशान करने वाली हो सकती हैं।' तस्मानिया में इस खतरनाक वायरस का पहला मामला 13 अगस्त को सामने आया था। इससे लगभग दो महीने पहले जून में ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि पर इसकी पहली बार पुष्टि हुई थी।

रोमानिया ने काला सागर में विस्फोटकों से लदा ड्रोन नष्ट किया, वॉन डेर लेयेन ने जताई हाइब्रिड युद्ध की चिंता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बताया कि गुरुवार को रोमानिया ने काला सागर में विस्फोटकों से लदे एक नौसैनिक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने इसे यूरोप के खिलाफ बढ़ते हाइब्रिड युद्ध का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि उभरते खतरों से निपटने के लिए यूरोप को अपनी रक्षा क्षमताएं मजबूत करने की जरूरत है।

प्रेसिडेंट उर्सुला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'गुरुवार को रोमानिया ने काला सागर में अपने 'नेपच्यून डीप' प्लेटफॉर्म के पास विस्फोटकों से लदे एक नौसैनिक ड्रोन को नष्ट कर दिया। धमकियों का अभियान चल रहा है, जो हमारे नागरिकों के बीच चिंता पैदा कर रहे हैं और हमारे संघ (यूरोपीय यूनियन) को बांटने की कोशिश कर रहा है। यह एक तरह का हाइब्रिड युद्ध है।''

उन्होंने कहा कि हमारे संघ का मूल उद्देश्य शांति बनाए रखना है। आज शांति बनाए रखने का मतलब यह भी है कि हमारे पास उकसावे और आक्रामक कार्रवाइयों को रोकने की क्षमता हो।

प्रेसिडेंट उर्सुला ने बताया कि हमारा रेडीनेस 2030 एजेंडा इसके लिए 800 अरब यूरो तक की राशि जुटा रहा है। यूरोपियन ड्रोन डिफेंस इनिशिएटिव और ईस्टर्न फ्लैंक वॉच के जरिए हम यूरोप में उत्पादन बढ़ा रहे हैं, ताकि सदस्य देशों को उनकी जरूरत की रक्षा क्षमताएं उपलब्ध कराई जा सकें, ताकि हम उभरते खतरों का तेजी, एकजुटता और दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला कर सकें।

इससे पहले उन्होंने यूक्रेन में रूस के घातक हमलों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि हम सदस्य देशों और अपने साझेदारों के साथ मिलकर यूक्रेन की बैलिस्टिक मिसाइलों से रक्षा करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि यूक्रेन के पास लोगों की जान बचाने के लिए जरूरी साधन मौजूद हों। फिलहाल, यही हमारी सबसे बड़ी और सबसे जरूरी प्राथमिकता है।

लेयेन ने यूक्रेन पर रूसी हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि दरअसल रूस अपने ही शुरू किए युद्ध में अब खुद की हार देख रहा है। यही कारण है कि वो आमजन और बुनियादे ढांचे पर हमले कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन की बैलिस्टिक मिसाइलों से रक्षा करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

अंतागढ़-नारायणपुर सड़क की बदहाल स्थिति से यात्री बसों के पहिये थमे

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ से नारायणपुर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। निर्माणाधीन सड़क पर समय रहते पुल-पुलियों का काम पूरा नहीं होने और ठेकेदार की कथित लापरवाही के कारण बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ जमा होने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के बाद निर्माणाधीन सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि यात्री बसों का आवागमन भी प्रभावित हो गया है। कई स्थानों पर सड़क पर पानी और कीचड़ जमा होने के कारण वाहनों के फंसने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। वाहन फंसने से सड़क पर लंबा जाम लग जाता है, जिससे यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

भारी वाहनों के दबाव से सड़क की हालत और खराब

इस मार्ग की बदहाली का एक बड़ा कारण रावघाट माइंस से प्रतिदिन आने-जाने वाले सैकड़ों भारी वाहन भी बताए जा रहे हैं। माइंस से जुड़े भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के चलते निर्माणाधीन सड़क पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि

सड़क की क्षमता के मुकाबले अधिक भार वाले वाहनों के संचालन से सड़क तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही है।

निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही भारी वाहनों की आवाजाही और बारिश ने सड़क की स्थिति को और बिगाड़ दिया है। इसका सीधा असर आम यात्रियों, ग्रामीणों, व्यापारियों और रोजाना इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों पर पड़ रहा है।

50 किलोमीटर का सफर हुआ तीन घंटे का

सड़क की खराब स्थिति के चलते अंतागढ़ से नारायणपुर के बीच करीब 50 किलोमीटर का सफर तय करने में अब यात्रियों को लगभग तीन घंटे तक का समय लग रहा है। पहले जहां यह दूरी अपेक्षाकृत कम समय में पूरी हो जाती थी, वहीं अब गड्ढों, कीचड़ और जाम के कारण लोगों को काफी समय सड़क पर ही बिताना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी यात्री बसों और छोटे वाहनों को हो रही है। कई जगह सड़क की स्थिति ऐसी है कि वाहन चालकों को बेहद धीमी गति से वाहन चलाना पड़ता है। बारिश के दौरान दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

ठेकेदार की मनमानी पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण की धीमी गति और अधूरे पुल-पुलियों के काम को लेकर ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में आवश्यक तेजी नहीं लाई गई और समय रहते जरूरी कार्य पूरे नहीं किए गए, जिसका खामियाजा अब आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण जैसी महत्वपूर्ण परियोजना में गुणवत्ता और समयसीमा दोनों का ध्यान रखा जाना चाहिए था। लेकिन निर्माण कार्य अधूरा रहने और बारिश शुरू होने के बाद सड़क की हालत और खराब हो गई है।

शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग

सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार की मनमानी के सामने जिम्मेदार विभाग और प्रशासन नतमस्तक नजर आ रहे हैं। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से भी समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित हस्तक्षेप नहीं होने को लेकर लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाए, अधूरे पुल-पुलियों का काम तत्काल पूरा कराया जाए और भारी वाहनों के दबाव को देखते हुए सड़क की मजबूती सुनिश्चित की जाए।

अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में यदि जल्द ही सड़क की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क को आवागमन के योग्य बनाने की मांग की है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने किया बिलासा ताल में वुडन ब्रिज का लोकार्पण

पर्यटन सुविधाओं में जुड़ा नया आयाम

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने बिलासा ताल में आज 24.38 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए वुडन ब्रिज का लोकार्पण किया। बिलासा ताल के प्राकृतिक एवं मनोरम वातावरण के बीच निर्मित यह ब्रिज पर्यटकों और शहरवासियों के लिए नया आकर्षण बनेगा। इसके निर्माण से बिलासा ताल की खूबसूरती में एक और नया आयाम जुड़ा है। लोकार्पण कार्यक्रम में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडे, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव मनोज पिंगुआ, पीसीसीएफ अरूण पाण्डेय, सीसीएफ मनोज पांडे, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, वन मंडलाधिकारी नीरज सिंह, नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, मोहित जायसवाल सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। वुडन ब्रिज को बिलासा ताल के प्राकृतिक परिवेश और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया गया है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को परिसर में घूमने और प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। ब्रिज के निर्माण से बिलासा ताल में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही क्षेत्र का आकर्षण भी बढ़ेगा।

बिछड़े दृष्टिबाधित यात्री को पुलिस ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की 'स्पेशल सेल' ने तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए परिवार से बिछड़े एक दृष्टिबाधित (नेत्र दिव्यांग) यात्री को सुरक्षित खोजकर उनके परिजनों से मिलाया।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर एक परिवार बिलासपुर से नागपुर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचा था। स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही के दौरान परिवार का एक दृष्टिबाधित सदस्य अचानक अपने परिजनों से अलग हो गया। यात्री के लापता होने से चिंतित परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना ऑन-ड्यूटी 'स्पेशल सेल' को दी।

सूचना मिलते ही स्पेशल सेल की टीम ने बिना समय गंवाए स्टेशन परिसर में खोजबीन शुरू की। टीम ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में सघन तलाश करते हुए कुछ ही समय में यात्री को सुरक्षित खोज निकाला और उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द किया। अपने परिजन को सकुशल पाकर परिवार ने राहत की सांस ली।

परिजनों ने स्पेशल सेल की त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और सहयोग के लिए रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात पूरा परिवार सुरक्षित रूप से नागपुर के लिए रवाना हुआ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल द्वारा की गई यह त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई, यात्रियों, विशेषकर दिव्यांग एवं जरूरतमंद यात्रियों की सहायता के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गोस्वामी तुलसी जयंती समारोह ओंकारेश्वर शिव मंदिर में हुआ

मानव जीवन के मार्गदर्शक गोस्वामी तुलसीदास : डॉ पाठक

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। तुलसी जयंती के अवसर पर ओंकारेश्वर थमंदिर सागा ले आउट सेवा समिति,नवनीत साहित्य समिति(पुरान)एवं प्रयास प्रकाशन साहित्य अकादमी द्वारा भजन,कवि सम्मेलन,विमोचन,सम्मान एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार सुरेश सिंह बैस हुए सम्मानित

इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' का विशेष रूप से अभिनंदन व सम्मान किया गया! ज्ञात हो स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रायपुर में उन्हें राष्ट्रीय सम्मान 'छत्तीसगढ़ रत्न' विभूषण से सम्मानित किया गया।यह आयोजन डॉ विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग एवं कुलपति थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के मुख्य

आतिथ्य,डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं डॉ न्यायमूर्ति चन्द्रभूषण वाजपेयी के अति विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि सनत तिवारी द्वारा लिखित एवं डॉ शत्रुघन जेसवानी द्वारा एआई के संगीत संयोजन से छत्तीसगढ़ी तुलसी गाथा के विडियो का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया । इस अवसर पर राज कुमार पाण्डेय एवं साथियों,मदन सिंह ठाकुर एवं साथियों,राम निहोरा राजपूत एवं मनोहर दास मानिकपुरी एवं साथियों द्वारा भजन की संगीतमय प्रस्तुति दी गई । इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सभी भजन गायकों का सम्मान किया गया । द्वितीय सत्र में भगवान श्री राम एवं तुलसी दास पर केन्द्रित कवि सम्मेलन में नगर एवं अंचल के कवियों एवं कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया । कवि सम्मेलन वरिष्ठ कवि विजय तिवारी,अमृतलाल पाठक,बुधराम यादव,शिव शरण श्रीवास्तव,अशोक शर्मा मयंक मणि दुबे के आतिथ्य में तथा डॉ राघवेन्द्र दुबे,दीपक दुबे,पूर्णिमा तिवारी एवं बालमुकुन्द श्रीवास के संचालन में आयोजित किया गया ।इस अवसर पर समस्त काव्य पाठ करने वालों का सम्मान अतिथियों द्वारा किया गया ।तृतीय सत्र में विमोचन एवं सम्मान का आयोजन डॉ किरण राठौर एवं कमलप्रीत कौर के संचालन में पद्मश्री राम लाल बरेठ के मुख्य आतिथ्य,डॉ विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग एवं कुलपति थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार, न्यायमूर्ति चन्द्रभूषण वाजपेयी, डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, डॉ एस एल निराला निराला,शैलेन्द्र सिंह कछवाहा एवं शंकर गेंदले के अति विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।इस अवसर पर पुस्तक विमोचन के क्रम में एम डी श्रीवास्तव,ओंकारेश्वर मंदिर वार्षिक पत्रिका,हेमंत गौर की कृतियों का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया तथा सम्मान के क्रम में डी लिट उपाधि धारी न्यायमूर्ति चन्द्रभूषण वाजपेयी जी,धर्म भूषण गौरहा,डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव जी,डॉ आभा गुप्ता,डॉ संगीता परमानंद,एवं डॉ गजेन्द्र तिवारी का सम्मान नवनीत मानस समिति (पुरान) द्वारा किया गया ।इस अवसर पर चतुर्थ सत्र में मानस विमर्श संगोष्ठी का आयोजन विष्णु कुमार तिवारी के संचालन में धर्म भूषण डॉ श्रीधर गौरहा,डॉ सत्य नारायण तिवारी,डॉ रश्मि लता मिश्रा, मोहन शर्मा,डॉ संगीता परमानंद, अशोक शर्मा, न्याय मूर्ति चन्द्रभूषण वाजपेयी जी,डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव जी,एवं डॉ अंकुर शुक्ला ने भाग लिया। पंचम सत्र में आयोजित सम्मान के क्रम में सुरेश सिंह बैस शाश्वत वरिष्ठ पत्रकार, श्रीकांत प्रजापति (बी बी सी न्यूज बिलासपुर), रिषि सिंह परिहार (हरिभूमि) मदन सिंह ठाकुर (टारगेट आफ छत्तीसगढ़),,रेश्मा लहरे (आज की जनधारा),एवं गीता सोचे (दैनिक महाकौशल)का सम्मान किया गया । कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्रदीप शर्मा ने किया ।

गंदगी में बन रही बूंदी को खाद्य विभाग ने किया नष्ट

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। रक्षाबंधन पर्व और बरसात के मौसम को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पलारी क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान एक होटल में अस्वास्थ्यकर स्थिति में भंडारित 10 किलोग्राम बूंदी को मौके पर ही नष्ट कराया गया। वहीं, एक अन्य प्रतिष्ठान में गंदगी मिलने पर संचालक को नोटिस जारी किया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बुधवार को पलारी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। टीम ने माँ आशापुरी बीकानेर स्वीट्स पलारी, बब्बू होटल पलारी, एसके सुपर मार्ट पलारी तथा मेन रोड कुकदा स्थित प्रकाश ढाबा एंड फैमली

रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, रखरखाव, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिल्क केक, नमकीन, पनीर, वेज बिरयानी और खजूर के नमूने लिए गए। इन नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बब्बू होटल पलारी में जांच के दौरान 10 किलोग्राम बूंदी अस्वास्थ्यकर दशा में भंडारित मिली। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप भंडारण नहीं होने के कारण विभागीय टीम ने बूंदी को मौके पर ही नष्ट कराया। वहीं, प्रकाश ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट, मेन रोड कुकदा में अस्वच्छता पाए जाने पर मौके पर नोटिस जारी किया गया।

विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और विक्रय में स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के संचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों पर भी विभाग की निगरानी रहेगी।

इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों तक पहुंचने वाली संदिग्ध मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्री की सप्लाई चेन पर भी नजर रखी जा रही है। विभाग ने उपभोक्ताओं से पैकेटबंद मिठाइयां एवं खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल की जांच करने तथा बिल अवश्य लेने की अपील की है।

ज्ञात हो कि रक्षाबंधन पर्व एवं बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन के निर्देश पर जिले में सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान 'बने बाबो-बने रहिवो' संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।

टायरों के अंदर छिपाकर ले जा रहे थे 75 लाख का गांजा गरियाबंद पुलिस ने दबोचे 2 अंतरराज्यीय तस्कर

विश्व केसरी

गरियाबंद (खिलेन्द्र गोस्वामी)। 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत गरियाबंद पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 151 किलो गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जब्त गांजे की कीमत करीब 75 लाख 50 हजार रुपये बताई है। तस्करी में इस्तेमाल मेटाडोर को भी पुलिस ने जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त 2026 को देवभोग थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक मेटाडोर में गांजा भरकर देवभोग की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर खुटगांव अंतरराज्यीय पुलिस चेक पोस्ट पर पुलिस जवानों

ने संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की।

इसी दौरान संदिग्ध मेटाडोर को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली—मेटाडोर के 6 टायरों के अंदर गांजा छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने कुल 151 किलो गांजा बरामद किया। मौके से पुलिस ने रोहित पांडेय (35), निवासी छतरपुर, मध्यप्रदेश और रमेश नायक (52), निवासी कालाहांडी, ओडिशा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से गांजे के अलावा करीब 20 लाख 25 हजार रुपये कीमत का मेटाडोर वाहन क्रमांक CG 07 AY 3587 भी जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ NDPS Act की धारा 20(b)(ii)(C) और 27A के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

8 महीने में 5.17 करोड़ का गांजा जब्त- गरियाबंद पुलिस के अनुसार 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत पिछले 8 महीनों में नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई है। इस दौरान 44 मामले दर्ज कर 86 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक इस अवधि में कुल 10 क्विंटल 80 किलो यानी 1,080 किलो गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 5 करोड़ 17 लाख रुपये बताई गई है। इसके साथ ही गांजा तस्करी में इस्तेमाल 32 वाहन—18 दोपहिया और 14 चारपहिया वाहन—जब्त किए गए हैं।

अंतागढ़ आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल में 'साइबर जागृति अभियान' पर हुआ कार्यक्रम

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन में , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष बंछोर के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत दिनांक 19.08.2026 को शासकीय स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल, अंतागढ़ में साइबर एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में एसडीओपी अंतागढ़ संतोष जैन एवं थाना प्रभारी अंतागढ़ कोमल भूषण पटेल द्वारा स्कूल के लगभग 200 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर अपराध, साइबर फ्रॉड से बचाव, डिजिटल अरेस्ट तथा सड़क सुरक्षा एवं

यातायात नियमों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

साइबर फ्रॉड एवं डिजिटल अरेस्ट से बचाव

विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, पासवर्ड, बैंक खाता विवरण, ATM कार्ड की जानकारी, UPI PIN एवं अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध APK फाइल डाउनलोड करने तथा फर्जी वेबसाइट एवं सोशल मीडिया प्रोफाइल से सावधान रहने की समझाइश दी गई।

डिजिटल अरेस्ट के संबंध में बताया गया कि पुलिस अथवा कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल के माध्यम से किसी व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती। ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं और किसी के कहने पर राशि ट्रांसफर न करें।

यातायात नियम एवं सड़क सुरक्षा

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में जागरूक करते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग, तीन सवारी नहीं बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा तेज गति एवं लापरवाही से वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी गई। चारपहिया वाहन चालकों एवं यात्रियों को सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने की समझाइश

विद्यार्थियों को विशेष रूप से समझाया गया कि नाबालिग अवस्था में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। पुलिस द्वारा अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें।

नयना पहाड़िया को मिली पीएचडी की उपाधि

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय, नवापारा (राजिम) के शिक्षा संकाय की सहायक प्राध्यापक नयना पहाड़िया ने मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर से हिंदी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार सहित शुभचिंतकों और नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शोध प्रबंध का विषय 'हिंदी साहित्य के विकास में गीतांजलि श्री के साहित्य का योगदान' रहा

नयना पहाड़िया के शोध प्रबंध का विषय 'हिंदी साहित्य के विकास में गीतांजलि श्री के साहित्य का योगदान'

रहा। उन्होंने अपना शोधकार्य मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के हिंदी संकाय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. रेशमा अंसारी के निर्देशन में पूर्ण किया। शोध के माध्यम से उन्होंने हिंदी साहित्य के विकास में गीतांजलि के साहित्यिक योगदान का अध्ययन किया।

चित्रोत्पला शिक्षण समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों एवं स्टाफ ने दी बधाई। नयना पहाड़िया की इस उपलब्धि पर उनके पति आलोक पहाड़िया, पुत्र-पुत्री दक्ष एवं दीक्षा, चित्रोत्पला शिक्षण समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष रमेश पहाड़िया, डॉ. राजेन्द्र गदिया, अशोक गंगवाल, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शोभा गावरी, उप प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा, शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ. सारिका साहू सहित प्रो. तरुण कुमार साहू, प्रो. चन्द्रहास साहू, प्रो. अखिलेश शर्मा, प्रो. लोमश साहू, प्रो. प्रीति शाह एवं प्रो. बबलू यादव तथा महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी।

नए पिक्सल 11 सीरीज के साथ भारत पर बड़ा दांव लगा रहा गूगल, स्थानीय विनिर्माण और एआई पर बढ़ा फोकस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल ने भारत में अपनी नई पिक्सल 11 सीरीज लॉन्च करते हुए देश को अपने वैश्विक विस्तार और विनिर्माण रणनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के संकेत दिए हैं। ऐसे समय में जब रिपोर्ट्स में गूगल द्वारा चीन से पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स के उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से बाहर स्थानांतरित करने की बात कही जा रही है, भारत कंपनी के लिए एक प्रमुख विनिर्माण और विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विश्लेषकों के अनुसार, भारत सरकार की स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियों और तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र ने गूगल जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांडों को आकर्षित किया है। गूगल पहले ही भारत में चुनिंदा पिक्सल स्मार्टफोन मॉडल का उत्पादन शुरू कर चुका है।

अगस्त 2024 में पिक्सल 8 के साथ स्थानीय उत्पादन की शुरुआत हुई थी, और इसके बाद कंपनी ने देश में अपनी विनिर्माण गतिविधियों का विस्तार किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गूगल ने नई पीढ़ी के पिक्सल उपकरणों के निर्माण के लिए फॉक्सकॉन जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी की है। इससे भारत को वैश्विक स्मार्टफोन आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान मिलने की उम्मीद है।

गूगल इंडिया में डिवाइसेज एंड सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मितुल शाह ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हमेशा उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना रहा है, ताकि वे तकनीक का सहज अनुभव प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान भारतीय उपभोक्ताओं की दैनिक जरूरतों से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित है। पिक्सल 11 श्रृंखला इसी सोच का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें विशेष रूप से लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर हार्डवेयर, एआई और दीर्घकालिक उपयोगिता को एक साथ जोड़ा गया है।'

गूगल ने कहा कि वह बेहतर वित्तीय विकल्पों, सर्विस नेटवर्क के विस्तार और पिक्सल पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर निवेश के माध्यम से भारत में अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहा है।

पिक्सल की 11वीं पीढ़ी के स्मार्टफोन अधिक टिकाऊ हार्डवेयर, उन्नत कैमरा प्रणाली और अधिक सक्रिय जेमिनी एआई सुविधाओं के साथ पेश किए गए हैं। इन उपकरणों को कंपनी के नए गूगल टेंसर जी6 प्रोसेसर से शक्ति मिलती है।

नई सीरीज में पिक्सल 11, पिक्सल 11 प्रो, पिक्सल 11 प्रो एक्सएल और पिक्सल 11 प्रो फोल्ड शामिल हैं। ये सभी उपकरण गूगल के नवीनतम जेमिनी नैनो मॉडल पर आधारित एआई क्षमताओं से लैस हैं।

कंपनी के अनुसार, नया टाइटन एम3 सुरक्षा चिप और विशेष रूप से विकसित टेंसर जी6 प्रोसेसर मिलकर अब तक की सबसे मजबूत और सक्रिय सुरक्षा प्रणाली प्रदान करते हैं। इससे उपयोगकर्ताओं को डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के बेहतर स्तर का लाभ मिलेगा।

भारत में पिक्सल 11 की शुरुआती कीमत 89,999 रुपए, पिक्सल 11 प्रो की 1,19,999 रुपए, पिक्सल 11 प्रो एक्सएल की 1,34,999 रुपए और पिक्सल 11 प्रो फोल्ड की 1,86,999 रुपए रखी गई है।

इसके साथ ही कंपनी ने पिक्सल वॉच 5 भी लॉन्च की है, जिसकी 41 मिमी संस्करण की कीमत 42,900 रुपए और 45 मिमी संस्करण की कीमत 45,900 रुपए निर्धारित की गई है।

भारत में बैटरी स्टोरेज समर्थित नवीकरणीय ऊर्जा लागत के मामले में नए कोयले से बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं: स्टडी

विश्व केसरी ■

वॉशिंगटन। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि बैटरी स्टोरेज द्वारा समर्थित नवीकरणीय ऊर्जा भारत में नए कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों की तुलना में कम लागत पर चौबीसों घंटे विश्वसनीय बिजली उपलब्ध करा सकती है। अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के स्टडी के अनुसार, यह मॉडल भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है और स्वच्छ ऊर्जा को प्रतिस्पर्धी विकल्प के रूप में स्थापित कर सकता है।

अध्ययन में भारतीय सौर ऊर्जा निगम यानी सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) द्वारा आयोजित 1,000 मेगावाट क्षमता की एक महत्वपूर्ण नीलामी का विश्लेषण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 25 वर्षों के लिए नाममात्र शर्तों में 5.25 रुपए प्रति किलोवाट-घंटे का टैरिफ तय किया गया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि इस परिणाम ने साबित किया है कि बैटरी स्टोरेज के साथ नवीकरणीय ऊर्जा संयोजन कोयला-आधारित बिजलीघरों जैसी निरंतर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति देने में सक्षम है, जो ईंधन की कीमतों में भविष्य में होने वाली वृद्धि के जोखिम के बिना भारत के मौजूदा कोयला संयंत्रों के प्रदर्शन से काफी हद तक मेल खाती है।

'इंडियाज रिन्यूएबल एनर्जी ब्रेकथ्रू: कोल-लाइक रिलायबिलिटी ऐट अ लोअर, फिक्स्ड प्राइस' शीर्षक से प्रकाशित यह अध्ययन विश्वविद्यालय के इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर द्वारा तैयार किया गया है।

नीलामी की संरचना इस प्रकार बनाई गई थी कि शाम, रात और सुबह के समय अधिकतम बिजली उपलब्ध कराई जाए, जबकि दिन में जब सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तब आपूर्ति की आवश्यकता अपेक्षाकृत कम रखी जाए। उत्पादकों के लिए यह अनिवार्य किया गया कि वे खरीदार द्वारा चुने गए छह पीक घंटों में कम से कम 90 प्रतिशत अनुबंधित क्षमता उपलब्ध कराएं। अन्य गैर-सौर घंटों में यह सीमा 70 प्रतिशत और सौर घंटों के दौरान 50 से 60 प्रतिशत निर्धारित की गई।

अनुबंध की शर्तों के अनुसार, हर 15 मिनट के ब्लॉक में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। यदि निर्धारित आपूर्ति में कमी रहती है, तो अनुबंध मूल्य के डेढ़ गुना के बराबर जुर्माना लगाया जाएगा।

शोधकर्ताओं ने 10 भारतीय राज्यों के 10 वर्षों के प्रति घंटा मौसम आंकड़ों का उपयोग करते हुए यह जांचा कि क्या सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण इस व्यवस्था की आवश्यकताओं को आर्थिक रूप से पूरा कर सकते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि प्रत्येक 1,000 मेगावाट अनुबंधित क्षमता के लिए राजस्थान जैसे उच्च सौर क्षमता वाले राज्यों में लगभग 3 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता और 12 गीगावाट-घंटे बैटरी भंडारण की आवश्यकता होगी। जिन राज्यों में मानसून या सौर संसाधनों की स्थिति अलग है, वहां करीब 15 से 20 प्रतिशत अधिक सौर क्षमता की जरूरत हो सकती है।

लहसुन की 1-2 कलियां रोज करें डाइट में शामिल, दिल से लेकर पेट तक मिल सकते हैं ये फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे घर की रसोई में ऐसी कई चीजें होती हैं, जिन्हें हम रोज खाते हैं, लेकिन उनके फायदे के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। लहसुन भी ऐसी ही एक चीज है। सब्जी हो, दाल हो या चटनी, लहसुन खाने का स्वाद बढ़ा देता है। लेकिन लहसुन सिर्फ स्वाद के लिए ही खास नहीं है। इसमें ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी होते हैं।

लहसुन का सबसे ज्यादा फायदा दिल और ब्लड प्रेशर से जुड़ा है। वैज्ञानिक रिसर्च में पाया गया है कि लहसुन का सेवन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में ब्लड प्रेशर को थोड़ा कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद सल्फर शरीर की नसों को आराम देता हैं। इससे खून का बहाव ठीक रखने में मदद मिलती है।

लहसुन शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाव में भी मददगार होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में बनने वाले कुछ हानिकारक फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। रोजमर्रा की डाइट में सब्जियों, फलों, साबुत अनाज और प्रोटीन के साथ थोड़ी मात्रा में लहसुन शामिल करना एक संतुलित डाइट का हिस्सा हो सकता है।

लहसुन पेट के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद प्रीबायोटिक गुण आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया के लिए मददगार होते हैं। हमारी आंतों में मौजूद ये बैक्टीरिया पाचन और शरीर के सामान्य स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि यहां मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। ज्यादा कच्चा

लहसुन खाने से कुछ लोगों को गैस, पेट दर्द या जलन की समस्या हो सकती है।

लहसुन में ऐसी चीजें भी पाई जाती हैं, जो शरीर में होने वाली सूजन को कम करने में मदद कर सकती हैं। शरीर में थोड़ी बहुत सूजन होना सामान्य है, लेकिन लंबे समय तक ज्यादा सूजन शरीर के लिए अच्छी नहीं मानी जाती। लहसुन में मौजूद कुछ खास तत्व शरीर को इस परेशानी से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें ऐसे गुण भी पाए जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

लहसुन कोलेस्ट्रॉल लेवल के लिए भी उपयोगी माना जाता है। लहसुन खाने से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर थोड़ा कम होता है। इससे दिल की सेहत को फायदा मिलता है, लेकिन इसका असर हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता। अगर किसी का कोलेस्ट्रॉल ज्यादा है, तो सिर्फ लहसुन खाना काफी नहीं है। सही खाना, रोज थोड़ा चलना और डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

अब बात करते हैं कि लहसुन को कैसे खाएं। बहुत से लोग सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने की सलाह देते हैं, लेकिन ऐसा करना हर किसी के लिए सही नहीं होता। कच्चा लहसुन खाने से पेट में जलन या गैस हो सकती है। इसे सब्जी, दाल, चटनी या सूप में डालकर खाना आसान तरीका है। लहसुन को काटने या कुचलने के बाद कुछ देर रखने से इसमें मौजूद एक खास तत्व बनने में मदद मिलती है, जिसे एलिसिन कहा जाता है।

चीनी की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने थोक उपभोक्ताओं पर लागू की 15 दिन की स्टॉक सीमा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने चीनी के बड़े खरीदारों और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक रखने की सीमा घटाकर 15 दिन कर दी है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नया आदेश 1 सितंबर से लागू होगा और 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका उद्देश्य जमाखोरी पर रोक लगाना और बाजार में चीनी की आपूर्ति बनाए रखना है।

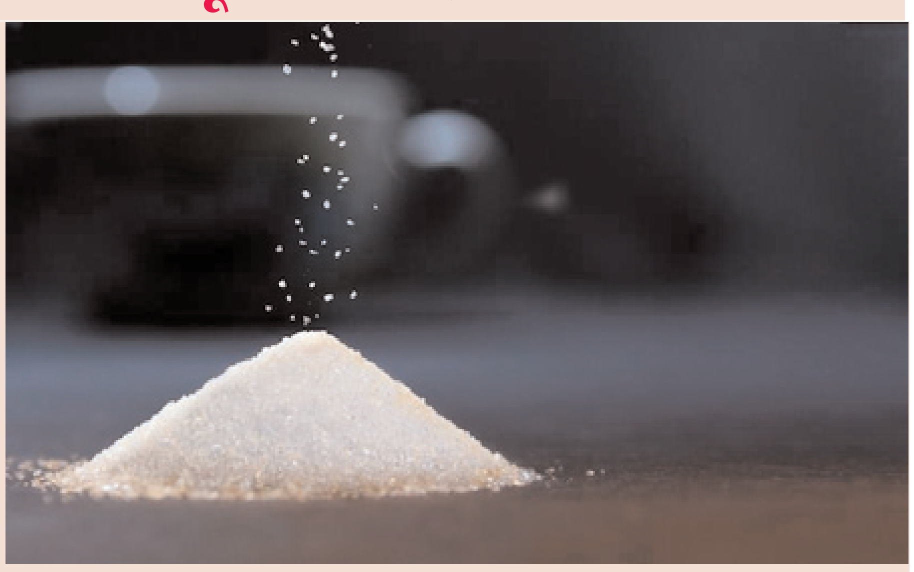

नए नियम के तहत, जो भी औद्योगिक या संस्थागत उपभोक्ता हर महीने 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का उपयोग कच्चे माल, उत्पादन या उपभोग के लिए करता है, वह अपनी 15 दिनों की आवश्यकता से अधिक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेगा।

सरकार ने मिठाई निर्माता, कन्फेक्शनरी उद्योग, शीतल पेय निर्माता, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, हलवाई व्यवसायों और अन्य संस्थागत खरीदारों को इस श्रेणी में शामिल किया है। ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान पिछले एक वर्ष की औसत मासिक खपत के आधार पर की जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय निकायों से संबंधित संस्थाओं को इस आदेश से छूट दी गई है। सरकार ने यह भी कहा है कि प्रत्येक चीनी मिल द्वारा बड़े उपभोक्ताओं को सीधे या डीलरों के माध्यम से बेची गई चीनी की मात्रा का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न और चीनी से संबंधित एचएसएन कोड का उपयोग किया जाएगा, ताकि वास्तविक खपत और खरीदारी का पता लगाया जा सके।

यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब सरकार पहले ही डीलरों के लिए चीनी भंडारण सीमा को 30 दिनों तक सीमित कर चुकी है। इसके बावजूद बाजार में चीनी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अगस्त को चीनी का औसत खुदरा मूल्य बढ़कर 52.30 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 46.34 रुपए प्रति किलोग्राम था। यानी चीनी की कीमतों में सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

भागदौड़ भरी जिंदगी में सुकून देगा आयुर्वेद, अपनाएं ये 5 आसान उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य को केवल तनाव या चिंता से जोड़कर नहीं देखा जाता, बल्कि इसे मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन से जोड़ा जाता है। आयुर्वेद मानता है कि जब हमारी जीवनशैली संतुलित होती है, तो उसका सकारात्मक असर हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी दिखाई देता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का दबाव, लगातार स्क्रीन पर समय बिताना, नींद की कमी और अनियमित दिनचर्या मानसिक थकान बढ़ा सकती है। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली के साथ कुछ पारंपरिक योग और आयुर्वेदिक अभ्यास मन को शांत रखने में मददगार हो सकते हैं। आयुष मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए शिरोधारा, शिरो अभ्यंग, ध्यान, प्राणायाम और योगासन जैसी प्रक्रियाओं को महत्व दिया जाता है। शिरोधारा में माथे पर धीरे-धीरे औषधीय तेल की धार डाली जाती है। यह प्रक्रिया बेहद आरामदायक मानी जाती है और व्यक्ति को रिलैक्स महसूस कराने में मदद कर सकती है। इसी तरह शिरो अभ्यंग यानी औषधीय तेल से सिर की मालिश भी तनाव और थकान के बीच सुकून देने वाली प्रक्रिया हो सकती है। ध्यान यानी ध्यान केंद्रित करने का अभ्यास मन को शांत करने और विचारों को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। रोजाना कुछ समय शांत बैठकर ध्यान करने से व्यक्ति अपने मन पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाता है। वहीं, प्राणायाम में सांस लेने और छोड़ने की नियंत्रित तकनीकों का अभ्यास किया जाता है। नियमित रूप से किए जाने वाले प्राणायाम और योगासन शरीर को सक्रिय रखने के साथ मानसिक रूप से भी हल्का और संतुलित महसूस कराने में मदद कर सकते हैं। हालांकि इन अभ्यासों को स्वस्थ खान-पान, पर्याप्त नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि और संतुलित दिनचर्या के साथ अपनाना ज्यादा उपयोगी माना जाता है। किसी भी आयुर्वेदिक उपचार या औषधीय प्रक्रिया को विशेषज्ञ की सलाह से ही अपनाना चाहिए।

गौतमबुद्ध नगर में बढ़ा डेंगू का खतरा, 15 हाईराइज सोसाइटियों को नोटिस जारी

विश्व केसरी ■

नोएडा। मानसून के बीच गौतमबुद्ध नगर में डेंगू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बारिश के बाद जगह-जगह जमा पानी और मच्छरों के बढ़ते प्रजनन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच तेज कर दी है। खास बात यह है कि डेंगू का खतरा अब केवल ग्रामीण या घनी आबादी वाले इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा की हाईराइज सोसाइटियां भी इसकी चपेट में आ रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मच्छरों के लार्वा और जलभराव मिलने पर अब तक 15 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। बारिश के बाद अस्पतालों की ओपीडी में भी वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, शरीर में दर्द और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है। स्थानीय स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, अस्पतालों में प्रतिदिन आने वाले मरीजों में करीब 30 से 40 प्रतिशत मरीज वायरल बुखार से पीड़ित बताए जा रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती डेंगू और सामान्य वायरल बुखार के लक्षणों में अंतर कर समय पर जांच कराने की है। स्वास्थ्य विभाग ने मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान के लिए निरीक्षण अभियान तेज किया है। हाईराइज सोसाइटियों में बेसमेंट, पार्किंग, निर्माणाधीन हिस्सों, छतों, गमलों, कूलर, पानी की टंकियों और अन्य स्थानों की जांच की जा रही है। जहां भी लंबे समय तक पानी जमा मिला या मच्छरों के लार्वा पाए गए, वहां सोसायटी प्रबंधन और संबंधित जिम्मेदार लोगों को नोटिस जारी किया जा रहा है। इससे पहले भी नोएडा में सोसाइटियों के बेसमेंट और जलभराव वाले स्थानों से लार्वा मिलने पर कार्रवाई की जा चुकी है। अक्टूबर 2025 में चार सोसाइटियों को लार्वा और जलभराव मिलने पर नोटिस दिए गए थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, डेंगू फैलाने वाला एडीज एजिप्टी मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में भी पनप सकता है। इसलिए यह मानना गलत है कि केवल गंदे नालों या खुले गंदे पानी से ही डेंगू फैलता है।

रोजाना करें कुर्मासन, शरीर के साथ मन को भी मिलेगी राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्यस्त दिनचर्या में अक्सर असंतुलित खान-पान और शरीरिक मूवमेंट ने होने से अक्सर शरीर से जुड़ी समस्या होना आम है, लेकिन जिंदगी से थोड़ा समय निकालकर योग और खानपान पर ध्यान दिया जाए तो इससे निजात पाई जा सकती है। योग के इन्हीं आसनों में कूर्मासन योग है, जिसको करने से शरीर के साथ-साथ मन को भी शांति मिलती है।

कूर्मासन संस्कृत शब्द 'कूर्म' से निकला है, जिसका अर्थ होता है कछुआ। इसलिए इस आसन को कछुआ योग कहते हैं। इस आसन को करने से साधक खुद को मानसिक समस्याओं से ठीक उसी प्रकार दूर कर लेता है, जिस प्रकार एक कछुआ संकट आने पर खुद को अपने कवच में छुपा लेता है। इस

आसन को रोजाना करते रहने से आप मानसिक रूप से स्वस्थ होने लगते हैं।

आयुष मंत्रालय और योग ग्रंथों के अनुसार, कूर्मासन (कछुआ मुद्रा) एक उन्नत योगासन है, जिसमें शरीर की आकृति कछुए जैसी हो जाती है। इस आसन का कार्य मुख्य रूप से वात विकारों को दूर करना है।

यह मुड़ी हुई रीढ़ की हड्डी को सीधा करने और उसमें रक्त संचार बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही, यह मूत्र और यौन विकारों, पीठ दर्द तथा पाचन से जुड़ी समस्याओं में भी उपयोगी है।

यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने और पाचन तंत्र को बेहतर करने में बहुत फायदेमंद माना जाता है। प्राचीन योग ग्रंथों में भी इस आसन का वर्णन मिलता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी कुर्मासन को बेहद प्रभावी योगासन माना जाता है। यह मन को शांत करने और तनाव कम करने में मदद करता है। लगातार चिंता और मानसिक दबाव महसूस करने वाले लोगों के लिए यह आसन राहत देने वाला साबित हो सकता है। इसका अभ्यास करने से एकाग्रता बढ़ती है और दिमाग शांत रहता है।

कुर्मासन करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। जिन लोगों को घुटनों, कमर, कंधे या रीढ़ की हड्डी में दर्द की समस्या है, उन्हें यह आसन बिना विशेषज्ञ की सलाह के नहीं करना चाहिए।

विश्व केसरी

सिनसिनाटी ओपनः सारा बेजलेक ने सबालेंका को हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी ■

सिनसिनाटी। सिनसिनाटी ओपन महिला एकल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी चेक रिपब्लिक की सारा बेजलेक ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 7-6 (7), 6-4 से हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

बेजलेक ने मैच की शुरुआत में ही ब्रेक ले लिया था, जब सबालेंका ने 2-0 की लीड ले ली थी। लेकिन 20 साल की चेक खिलाड़ी ने वापसी की और तुरंत ब्रेक वापस ले लिया। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने टाईब्रेक में जाने से पहले सर्विस ब्रेक का एक और राउंड एक्सचेंज किया, जहां बेजलेक ने 5-1 की लीड बना ली।

हालांकि, सबालेंका ने वापसी करते हुए 5-5 से स्कोर किया, लेकिन बेजलेक टाईब्रेक में अपने तीसरे सेट पॉइंट पर पहला सेट 7-6 (9-7) से जीतने में कामयाब रहीं।

इसके बाद सबालेंका ने दूसरे सेट में 4-1 की लीड बना ली। एक बार फिर, बेजलेक ने वापसी करते हुए सेट को 4-4 से बराबर कर दिया। उन्होंने एक और ब्रेक हासिल करके 5-4 की लीड ले ली और फिर मैच को लव पर सर्व करके सिर्फ दो घंटे से भी कम समय में 7-6, 6-4 से जीत हासिल की।

जीत के बाद बेजलेक ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैंने बस विश्वास बनाए रखा। यही सबसे जरूरी था। सबालेंका ने कमाल का टेनिस खेला। मैं बस विश्वास कर रही थी, लड़ती रही और अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रही थी।'

बेजलेक की किसी भी शीर्ष रैंक वाली खिलाड़ी पर यह पहली बड़ी जीत है। डब्ल्यूटीए स्तर पर यह उनकी पांचवीं जीत थी।

इससे पहले वह 2025 और 2026 में प्राग, 2026 में अबू धाबी और एथेंस में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थीं। वह इस साल के टूर्नामेंट में अकेली क्वार्टरफाइनलिस्ट भी हैं जिन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट नहीं जीता है। क्वार्टर फाइनल में बेजलेक का मुकाबला 2019 की चैंपियन अमेरिकी मैडिसन कीज से होगा।

भारत बनाम श्रीलंकाः कोलंबो में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड? 2017 में मिली थी धमाकेदार जीत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेला जाना है। सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम दूसरे टेस्ट को जीतकर श्रीलंका का सूपड़ा साफ करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारतीय टीम का रिकॉर्ड कोलंबो के इस मैदान पर मिलाजुला रहा है। भारत ने 1985 से लेकर अब तक इस मैदान पर कुल 9 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को 3 में जीत मिली है, जबकि 2 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, 4 टेस्ट मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। हालांकि, इस ग्राउंड पर खेले गए आखिरी टेस्ट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा था।

साल 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में खेलते हुए टीम इंडिया ने श्रीलंका को एक पारी और 53 रनों से हराया था। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 622 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की थी और श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने पर भी मजबूर किया था। रवींद्र जडेजा ने इस टेस्ट में कुल 7 विकेट अपने नाम करने के साथ-साथ नाबाद अर्धशतकीय पारी भी खेली थी।

सीरीज के पहले टेस्ट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा। शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 165 रनों से हराया। भारत से मिले 372 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में श्रीलंका की पूरी टीम महज 206 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत की ओर से गेंदबाजी में मानव सुथार की घूमती गेंदों का जादू जमकर चला और उन्होंने दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट निकाला। मानव ने पहली पारी में 4 और दूसरी इनिंग में छह विकेट झटके।

वहीं, बल्लेबाजी में देवदत्त पडिक्कल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 167 रनों की यादगार पारी खेली। पडिक्कल को उनकी उम्दा पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ ही भारत ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भी जिंदा रखा है।

फॉर्मूला 1: मैक्स वेरस्टैपेन ने रेड बुल के साथ अनुबंध 2030 तक बढ़ाया

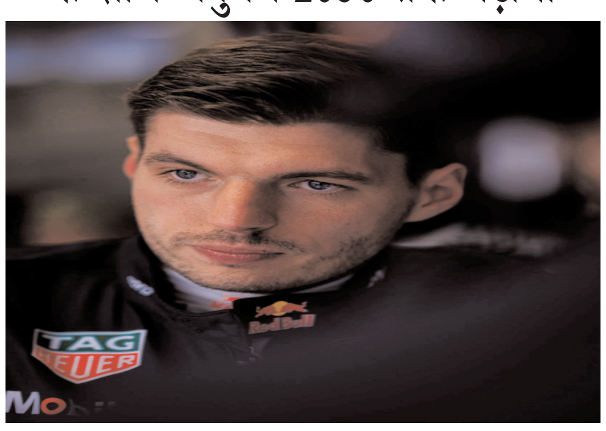

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फॉर्मूला 1 में अपने भविष्य को लेकर चल रहे शक को दूर करते हुए, चार बार के वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन ने अपनी रेड बुल टीम के साथ अनुबंध बढ़ाने पर हस्ताक्षर किया है। वह 2030 के आखिर तक आरबी22 के लिए रेस करेंगे। डचमैन, मैक्स वेरस्टैपेन के मैकलारेन में जाने की चर्चा चल रही थी।

रेड बुल ने मैक्स वेरस्टैपेन के साथ अनुबंध बढ़ाने की घोषणा की पुष्टि की। टीम ने इस बात पर जोर दिया कि वेरस्टैपेन के साथ उनकी पार्टनरशिप 'एफ1' इतिहास की सबसे सफल और अहम साझेदारियों में से एक रही है। वेरस्टैपेन के साथ करार का बढ़ाया जाना आपसी भरोसे और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है, साथ ही भविष्य को एक साथ आकार देने का एक साझा फैसला है।

मैक्स वेरस्टैपेन, रेड बुल के साथ अपना अनुबंध बढ़ाकर खुश हैं। वह 2016 से बुल के साथ हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं अनुबंध बढ़ने से सच में बहुत खुश हूं। हमारे पास सबसे अच्छे लोग हैं। मैं फिर से शीर्ष पर वापस आने के लिए सभी के साथ मिलकर काम करते रहने के लिए उत्साहित हूं। यह आखिरी लक्ष्य है जिसके लिए हम सभी काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। मैं रेड बुल, लॉरेंट और ओरेकल रेड बुल रेसिंग में सभी को मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत और ईरान की महिला कबड्डी टीम ने साथ में की ट्रेनिंग

विश्व केसरी ■

सोनीपत। ईरान की महिला कबड्डी टीम ने आगामी एशियन गेम्स 2026 से पहले स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) सोनीपत सेंटर में भारतीय टीम के साथ कई प्रैक्टिस मैच खेले।

छह दिन के इस प्रैक्टिस कैंप का मकसद दोनों देशों के लिए एक-दूसरे से सीखने का मौका देना था, ताकि वे आइची-नागोया में होने वाले खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। ईरानी टीम 13 अगस्त को सोनीपत पहुंची और साई कैंपस में भारतीय महिला कबड्डी टीम के साथ-साथ स्थानीय टीमों के खिलाफ भी प्रैक्टिस मैच खेले।

इन प्रैक्टिस मैचों का मुख्य मकसद ईरान को एशियाई खेलों के लिए तैयार करना था, लेकिन इससे भारतीय खिलाड़ियों को भी एक अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खुद को परखने और अलग-अलग खेलने के तरीकों और रणनीतियों का अनुभव हासिल करने का मौका मिला। ईरान की महिला टीम के हेड कोच घोलमरेजा मजंदरानी ने कहा कि यह कैंप उनकी युवा टीम के लिए बहुत फायदेमंद रहा, क्योंकि पिछले एशियन गेम्स के बाद से टीम में 80 प्रतिशत से ज्यादा बदलाव हुए हैं।

मजंदरानी ने साई मीडिया से कहा, 'हमारे लिए फ्रेंडली मैच खेलने, खिलाड़ियों को बेहतर बनाने और अपनी टीम की रणनीतियों को सुधारने का यह बहुत अच्छा मौका है। हम एशियन गेम्स में एक बेहतर टीम के तौर पर उतरना चाहते हैं। हमारी टीम के लिए यह एक अच्छा अनुभव रहा है, क्योंकि हमारी टीम अभी बहुत युवा है और हमने पिछले एशियन गेम्स के बाद से शायद 80 प्रतिशत से ज्यादा टीम बदल दी है।

मजंदरानी ने आगे कहा कि भारत के कबड्डी इकोसिस्टम की गहराई भारतीय खिलाड़ियों को बहुत बड़ा फायदा देती है, क्योंकि उन्हें साल भर अपने ईरानी साथियों की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेलने को मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान में हमारे पास पुरुष और महिला मिलाकर लगभग 3,000 से 4,000 कबड्डी खिलाड़ी हैं। हालांकि, यहां मुझे लगता है कि उसके मुकाबले यहां कई गुना आपके पास शायद 10 मिलियन (1 करोड़) से ज्यादा कबड्डी खिलाड़ी हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है।'

मजंदरानी ने आगे कहा, 'भारत में एक कबड्डी खिलाड़ी, चाहे वह किशोर हो, जूनियर हो या सीनियर, शायद साल में 50-60 से अधिक मैच खेलता है। यह उनके लिए एक बड़ी बात है। वे मैचों के दौरान अपने कौशल को बेहतर बना सकते हैं।' भारतीय महिला कबड्डी टीम के कोच नवीन कुमार ने कहा कि ईरान के खिलाफ प्रैक्टिस मैच खेलने का अनुभव लड़कियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा।

भारतीय कोच ने साई मीडिया को बताया, 'हमारी ज्यादातर नई खिलाड़ी जूनियर लेवल की हैं और उन्हें ईरानी टीम के खिलाफ खेलकर बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

मानव सुथार के बारे में अब सभी बात करेंगेः रविचंद्रन अश्विन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को गाले में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन से हरा दिया। भारत की इस जीत के हीरो युवा खिलाड़ी देवदत्त पड्डिकल और मानव सुथार रहे। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा जडेजा के प्रदर्शन को सराहा है।

अश्विन ने अपने युट्यूब चैनल पर जडेजा और सुथार पर बात करते हुए कहा कि दोनों बिल्कुल अलग तरह के गेंदबाज हैं। सुथार की ताकत उनके हाथों में बॉल रोटेशन है। जडेजा विकेटों पर बॉलिंग करेंगे और अपनी स्टॉक बॉल से आपको नियंत्रण देते हैं। मुझे लगता है कि जडेजा अब उतने अटैकिंग स्पिनर नहीं रहे। वह अपने अनुभव की वजह से ज्यादा प्रभावी हैं। यह बुरी बात नहीं है।

पूर्व भारतीय स्पिनर ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'गाले में पहली पारी का औसत स्कोर 433 है। जब भारत ने टॉस जीता और 450 से ज्यादा रन बनाए, तो उस समय सभी को पता था कि श्रीलंका के लिए यह मुश्किल होने वाला है। लेकिन मुझे लगता है कि श्रीलंका ने बहुत अच्छा खेला और एक युवा टीम को अच्छी टक्कर दी। देवदत्त पडिक्कल जबरदस्त थे। ध्रुव जुरेल ने अच्छा खेला। ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में शानदार पारी खेली। केएल राहुल की बैटिंग स्टैंडर्ड थी। मानव सुथार हाइलाइट थे, हर कोई उनके बारे में बात करेगा।'

भारतीय टीम की तरफ से देवदत्त पड्डिकल सबसे सफल बल्लेबाज रहे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली। कुल 211 रन बनाने वाले पड्डिकल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मानव सुथार ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट सहित कुल 10 विकेट लिए। यह उनका दूसरा टेस्ट था। वहीं, रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 4 विकेट लिए।

मैच पर नजर डालें तो भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पड्डिकल ने 167 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी और 178 रन से पिछड़ गई थी।

एमएलएसः इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन मैच 2-2 से ड्रॉ

विश्व केसरी ■

चेस्टर। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था।

पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

इसके बाद मेसी ने 26वें मिनट में इस रेगुलर सीजन में अपना 13वां गोल करते हुए मियामी की बढ़त बनवाई।

अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी को बॉक्स के दाहिने छोर पर फ्रे से गेंद मिली, फिर उन्होंने कट मारकर बॉल को दूर के पोस्ट पर कर्ल किया। इस बीच, यह असिस्ट इस रेगुलर सीजन में फ्रे का तीसरा असिस्ट था।

हाफटाइम तक स्कोर 1-2 रहा। ऐसा लग रहा था कि मियामी इस मैच को जीत लेगी, लेकिन फिलाडेल्फिया ने 58वें मिनट में नील पियरे के गोल से मैच 2-2 से बराबर हो गया। इसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में असफल रही और मैच 2-2 से ड्रॉ रहा।

इंटर मियामी अब रविवार को नु स्टेडियम में टोरंटो एफसी की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी ने इस एमएलएस रेगुलर सीजन में अब तक 11 जीत, तीन हार और छह ड्रॉ दर्ज किए हैं। टीम के कुल 39 पॉइंट्स मिले हैं। मियामी ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने घरेलू दर्शकों को दिया जीत का श्रेय, बोलीं- फैंस ने हमें बहुत हिम्मत दी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान की जोड़ी रिन इवानागा और की नाकानिशी को 21-16, 21-12 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने अपनी जीत का श्रेय घरेलू दर्शकों से मिल रहे समर्थन को दिया। जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गायत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि कोर्ट पर उतरते ही थोड़ा दबाव तो होता ही है, लेकिन यह ऐसा दबाव है जिसका आप आनंद लेते हैं क्योंकि आप दिल्ली में खेल रहे हैं। तो हां, मुझे लगता है कि पहले सेट में हम 13-16 से पीछे थे, लेकिन फिर हमें अपने कोचों से कुछ टिप्स मिले और मुझे लगता है कि हमने उन्हें

बहुत अच्छे से लागू किया, इस वजह से मैं बहुत खुश हूं। दूसरे गेम में भी कुछ पल ऐसे थे जो काफी मुश्किल भरे और कांटे की टक्कर वाले थे, लेकिन मुझे खुशी है कि हम शांत रहे और गेम जीत पाए।'

जब भारतीय खिलाड़ी दबाव में थीं, तब दर्शकों का समर्थन बहुत अहम साबित हुआ। गायत्री को लगा कि दर्शकों की ऊर्जा ने उन्हें मुकाबले में बने रहने और अंततः मैच पर पकड़ बनाने में मदद की। गायत्री ने आगे कहा, 'एक समय हम दबाव में थे, भीड़ हमें आगे बढ़ा रही थी, इसलिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं और चाहती हूं कि वे हम पर भरोसा बनाए रखें। मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें जश्न मनाने के और भी मौके दे पाऊंगी।'

त्रिशा जॉली ने भी अपनी साथी की बात से सहमति जताई और कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें तब भी अतिरिक्त जोश दिया, जब स्कोरबोर्ड उनके पक्ष में नहीं था। त्रिशा ने कहा, 'दर्शक बहुत जबरदस्त है। मुझे लगता है कि जब हम पहला गेम खेल रहे थे और पीछे भी चल रहे थे, तब भी फैंस ने हमें बहुत हिम्मत दी। मुझे लगता है कि जब हम अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हों तो हमें बस अपने दमदार खेल दिखाना चाहिए ताकि वे उसे देख सकें।'

भारतीय खिलाड़ियों के लिए अगली चुनौती भी काफी मुश्किल होने वाली है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415